दैनिक
नवनीत एक्सप्रेस
भोपाल, ग्वालियर, झांसी एव शिवपुरी से एक साथ प्रकाशित
RNI-MPHIN/2016/71355
राष्ट्रवादी विचार धारा
जय खेड़ापति सरकार
भोपाल, ग्वालियर, शिवपुरी, झाँसी (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश) से एक साथ प्रकाशित
संपादक: महेन्द्र तिवारी
न डरते है न डराते है, सब उजागर करते हैं
वर्ष : 10 अंक: 251 | भोपाल,रविवार 29 जून 2025 | navneetexpress33@gmail.com | पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रुपया

किसान की खुशहाली ही हमारा ध्येय, सोलर पम्प के जरिए किसानों को बिजली की चिंता से दिलाएंगे मुक्ति : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया किसानों के लिए राज्य स्तरीय सोलर पंप पोर्टल का अनावरण

भिंड जिले के किसानों के लिए 2800 करोड़ रुपए से बनाई जाएगी रतनगढ़ माता बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना

दंदरौआ धाम में आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, आयुर्वेदिक नर्सिंग कॉलेज और पैरा मेडिकल स्टॉफ के लिए ट्रेनिंग इन्स्टिट्यूट खोलने की घोषणा की

दंदरौआ धाम में भिंड जिले के लिए करीब 44.50 करोड़ की लागत वाले विभिन्न कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

परीक्षण कराकर धारौली एवं अमायन को बनाएंगे नगर परिषद

मेहगांव में युवाओं के लिए खेल स्टेडियम और छोटे बच्चों के लिए अमृत 2 योजना से बनाया जाएगा चिल्ड्रन पार्क

दंदरौआ सरकार धाम तक सुगम आवागमन के लिए मौ से गोहद तक वर्तमान सड़क का कराएंगे चौड़ीकरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव दंदरौआ धाम में किसान एवं रोजगार सम्मेलन में हुए शामिल

भोपाल एजेंसी।

शनिवार, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सबके कल्याण के लिए हमारी सरकार लगतार काम कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमें गरीब, युवा, महिला और अन्नदाता (किसान) के कल्याण का ज्ञान मंत्र दिया है। हमारी सरकार मिशन मोड पर इनके कल्याण के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सबका उदर-पोषण करने वाले अन्नदाताहमारे लिए सदैव पूज्यनीय हैं। किसानों के खेत-खलिहान और घर द्वार में समृद्धि आए इसके लिए सरकार सभी प्रयास कर रहे है। किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए हम हर जरूरी कदम उठा रहे हैं। इनके खेतों में सिंचाई के लिए पर्याप्त जल, पीएम किसान सम्मान निधि, मौसम की मार और कीट प्रकोप से सुरक्षा कवच देते हुए फसल योजना जैसी सुविधाओं के साथ अब हमारी सरकार किसानों को सोलर पम्प देने जा रही है। इन सोलर पम्पों के लिए किसान अपनी जरूरत के अनुसार सौर ऊर्जा से बिजली पैदा कर अपने खेतों में सिंचाई कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सोलर पंप के जरिए हम किसानों को बिजली आपूर्ति और बिजली बिल की चिंता से मुक्ति दिला देंगे। मुख्यमंत्री डॉ, यादव शनिवार को भिंड जिले की मेहगांव विधानसभा क्षेत्र के दंदरौआ सरकार धाम परिसर में आयोजित किसान एवं रोजगार सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसी पावन धरती से प्रदेश के सभी किसानों के लिए प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना के तहत रिमोट का बटन दबाकर राज्य स्तरीय सोलर पॉवर पंप पोर्टल लांच किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा?कि राज्य सरकार ने ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के किसानों की आय बढ़ाने के लिए पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना की सौगात दी है। प्रदेश का सिंचाई रकबा अभी 55 लाख हेक्टेयर है, इसे आगामी वर्षों में 100 लाख हेक्टेयर तक बढाएंगे। प्रदेश सरकार ने किसानों के लिए सोलर पंप योजना का आज शुभारंभ हुआ है। इस योजना के अंतर्गत किसानों को मात्र 90 प्रतिशत अनुदान 5 हार्स पॉवर से लेकर 10 हार्स पॉवर तक के सोलर पंप दिए जाएंगे।

बुंदेलखंड के हर खेत को पानी और हर हाथ को मिलेगा काम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने अक्षरु माता लोक निर्माण के लिए 5 करोड़ राशि देने की घोषणा की

सिमरा से पृथ्वीपुर मार्ग का किया जाएगा दोहरीकरण

मातृ शक्ति ने बढ़ाया भारत का मान

मुख्यमंत्री पृथ्वीपुर में देवी अहिल्याबाई नारी शक्ति सम्मेलन में हुए शामिल

भोपाल एजेंसी।

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत की मातृशक्ति ने भारत का मान बढ़ाया है। भारत में बहन-बेटियों का सम्मान होता है, दुनिया में कहीं भी रक्षाबंधन नहीं मनाया जाता है। सात जन्मों तक भाई-बहन का प्यार रहता है इस प्यार की किसी से तुलना नहीं हो सकती। इसलिए सरकार ने तय किया है कि लाड़ली बहनों के लिए रक्षाबंधन पर 250 रुपए बढ़ाकर दिये जाएंगे। साथ ही आगामी दीपावली से लाड़ली बहनों को 1500 रुपए दिए जाएंगे और 2028 तक यह राशि बढ़ाकर 3 हजार रुपये कर दी जायेगी। उन्होंने कहा कि दुनिया की कोई ताकत हमारी लाड़ली बहनों को धन देने से नहीं रोक सकती। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार बहनों के विकास के मामले में कोई कसर बाकी नहीं रखेंगी। रेडीमेड गारमेंट में काम करने वाली बहनों को मध्यप्रदेश सरकार 5 हजार रुपए महीना देगी यह सरकार का निर्णय है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर में देवी अहिल्याबाई नारी शक्ति सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में शामिल होकर मैं अभिभूत हूं। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र में गरीबी को दूर करने के लिए नदी जोड़ो अभियान की कल्पना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र की केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की शुरुआत हमारी सरकार ने की है जिस पर तेजी से काम किया जा रहा है। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। साथ ही लाड़ली लक्ष्मी योजना के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुंदेलखंड की अक्षरु माता मंदिर के लोक निर्माण के लिए 5 करोड़ की राशि देने और सिमरा से पृथ्वीपुर मार्ग के दोहरीकरण के लिए 25 करोड़ रुपए की राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवाड़ी जिले में किसान हल्दी, अदरक, लहसुन की खेती करते हैं। इसके लिए फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवाड़ी जिले में मछली उत्पादन करने वाले मछुआरों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा की आने वाला समय अब बुंदेलखंड का है। यहां के किसानों के खेतों तक समुचित पानी पहुंचेगा हर हाथ को कम मिलेगा, इसके प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में फसलों का उत्पादन ठीक प्रकार से हो और उसकी अच्छी कीमत भी किसानों को मिले इसके समुचित प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार देश में सबसे ज्यादा 2600 रुपए समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 350 से अधिक सांदीपनि विद्यालय बनाए जा रहे हैं। जुलाई महीने से जिन बच्चों के घर की स्कूल से दूरी 7 किलोमीटर से अधिक है, ऐसे सभी बच्चों को साइकिल देने का काम सरकार करने वाली है।

रथ यात्रा के दूसरे दिन अपनी मौसी के घर के लिए निकले भगवान जगन्नाथ

परंपरा के अनुसार आज सुबह 9:30 बजे फिर से शुरू हुआ रथों को खीचने का काम

पुरी, एजेंसी।

भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा पुरी स्थित गुंडिचा मंदिर की ओर बढ़ रही है, जिसे भगवान की मौसी का घर माना जाता है। हर साल भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों को जगन्नाथ मंदिर से लगभग 2।5 किलोमीटर दूर गुंडिचा मंदिर तक खींचकर लाया जाता है। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा यहां एक हफ्ते के लिए ठहरेंगे। इसी तरह के जश्न के साथ भगवान वापस जगन्नाथ मंदिर के गर्भगृह लौटेंगे।विश्व प्रसिद्ध धार्मिक नगरी पुरी में जगन्नाथ महोत्सव रथ यात्रा का दूसरा दिन है। ये रथ यात्रा अगले पड़ाव के लिए निकल चुकी है। शनिवार को भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के तीन रथों को खींचने का काम परंपरा के अनुसार आज सुबह 9:30 बजे फिर से शुरू हुआ।इस रथयात्रा का शुक्रवार शाम 4 बजे शुभारंभ हुआ था।

पहले भगवान बालभद्र का रथ खींचा गया

पहले भगवान बलभद्र का रथ खींचा गया, फिर सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ खींचे गए। भक्तों की भारी भीड़ रही और इस दौरान कुछ लोगों की तबीयत बिगड़ी। इस वजह से रथयात्रा को बीच में ही विश्राम दे दिया गया। अगले दिन यानी शनिवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को आगे बढ़ाया जा रहा है। पूरा शहर भगवान जगन्नाथ की भक्ति में सराबोर है। रथ खींचने के दूसरे दिन का हिस्सा बनने के लिए हजारों लोग पुरी में पहले ही जमा हैं। कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं में उत्साह चरम पर है, और चारों ओर जय जगन्नाथ के उद्घोष गूंज रहे हैं। इस रथ यात्रा को सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और भक्ति का महासागर माना जाता है। लाखों लोग हर साल इस दिन का बेसब्री से इंतजार करते हैं, जब भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इस बार पहले साल की तुलना में भक्तों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला मानेसर में करेंगे राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला आगामी 3 जुलाई को हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मानेसर में 'इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी' (आईसीएटी) में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस सम्मेलन का विषय है – संवैधानिक लोकतंत्र और राष्ट्र निर्माण में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका। जारी किए गए एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस सम्मेलन में देशभर के नगर निगमों के महापौर, आयुक्त और अन्य प्रतिनिधि भाग लेंगे। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों के प्रमुखों की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और राज्य के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भी उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहेंगे। यह सम्मेलन शहरी प्रशासन को अधिक प्रभावी बनाने, स्थानीय स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने और राष्ट्र निर्माण में शहरी निकायों की भूमिका को पुनर्परिभाषित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

रॉ के नए चीफ बने पराग जैन, ऑपरेशन सिंदूर में निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ को नया बॉस मिल गया। रिसर्च एनालिसिस विंग (रॉ) के नए चीफ पराग जैन बन गए हैं। पराग जैन पंजाब कैडर के 1889 बैच के आईपीएस अफसर हैं। बतौर रॉ चीफ उनका कार्यकाल दो साल का होगा। वह रवि सिन्हा की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 जून को खत्म हो रहा है। पराग जैन फिलहाल एविएशन रिसर्च सेंटर का नेतृत्व कर रहे हैं। इस रिसर्च सेंटर ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी सशस्त्र बलों के बारे में खुफिया जानकारी इकट्ठा करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

रॉ की स्थापना 21 सितंबर 1968 को हुई थी। इस संस्था के पहले चीफ आरएन काव थे। रॉ सबसे प्रमुख काम विदेशों में भारत के खिलाफ साजिश का पता लगाना होता है। इसके अलावा यह सीक्रेट मिशन को भी अंजाम देते है। रॉ के प्रभारी प्रधानमंत्री की तरह ही होते हैं। रॉ चीफ अपनी डेली रिपोर्ट नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर को देते हैं।

यदि कोई आपके प्रति अपनेपन की भावना रखता तो आप भी स्नेह और करुणा रखें

संघ प्रमुख बोले-हिंदू समुदाय ने विश्व को एकता के सूत्र में बांधने की जिम्मेदारी ली

नई दिल्ली, एजेंसी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने समाज में स्नेह और करुणा को बढ़ावा देते हुए कहा कि ऐसे दौर में जब सामाजिक

स्नेह कम होता जा रहा है, आरएसएस इन मूल्यों को फिर से स्थापित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। भागवत ने ये टिप्पणी एक पुस्तक के विमोचन कायक्रम के दौरान की।

भागवत ने शुक्रवार को कहा कि आरएसएस का मिशन यह तय करना है कि संपूर्ण हिंदू समाज अपनापन और स्नेह की भावना से एक सूत्र में बंधा रहे। उन्होंने कहा कि पशुओं के विपरीत मनुष्य के पास बुद्धि होती है।

बाबा साहब ने संविधान दिया, पर कांग्रेस-बीजेपी ने उसे नहीं निभाया: मायावती का तीखा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी।

संविधान को लेकर छिड़ी राष्ट्रीय बहस के बीच बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख मायावती ने रविवार को केंद्र की मोदी सरकार और प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस, दोनों पर तीखा हमला बोला। प्रेस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान को इन दोनों ही दलों ने कभी पूरी ईमानदारी से लागू नहीं किया।मायावती ने कहा, कि बाबा साहब ने भारत को ऐसा संविधान दिया, जो समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए था। लेकिन कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए और अब भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार, दोनों ने इसे केवल राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों दलों ने समय-समय पर संविधान के मूल स्वरूप के साथ छेड़छाड़ की है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक अवसरवाद के तहत इन पार्टियों ने संविधान में अनावश्यक संशोधन किए। यह संविधान की आत्मा पर आघात है।

कांटा लगा फेम शेफाली जरीवाला का निधन

देर शाम हुआ अंतिम संस्कार, पुलिस ने 2 बार पोस्टमॉर्टम कराया

मुंबई, एजेंसी।

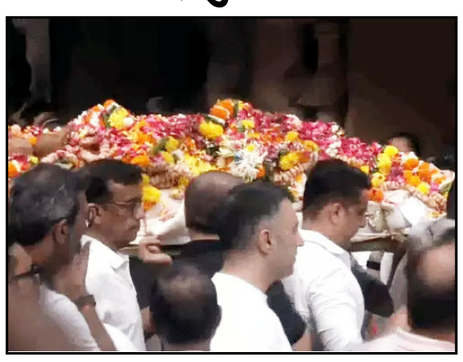

शेफाली जरीवाला ने साल 2002 में फिल्म इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत की थी।

रीमेक सॉन्ग कांटा लगा से मशहूर हुई एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का 42 साल की उम्र में निधन हो गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 27 जून की रात उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया था। हालांकि, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पति पराग त्यागी समेत चार लोगों के बयान दर्ज किए हैं।

फोरेंसिक टीम ने भी शेफाली के घर में जांच की और सबूत जुटाए। पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है। सूत्रों के मुताबिक 2 बार पोस्टमॉर्टम किया गया है।

शेफाली का अंतिम संस्कार ओशिवारा के श्मशान घाट पर किया गया। इस दौरान उनकी मां को हिंदुस्तानी भाऊ ने संभाला। वहीं, पराग ने भावुक होकर मीडिया से कहा, %मजाक या ड्रामा मत करिएगा, मेरी परी के लिए प्रे करिएगा। वो जहां भी रहे शांति से रहें!% सूत्रों के अनुसार, शेफाली को बेहोशी की हालत में उनके पति और एक्टर पराग त्यागी, के साथ तीन अन्य लोग शुक्रवार रात मुंबई के अंधेरी स्थित बेलेव्यू अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के रिसेप्शन स्टाफ ने पुष्टि की थी कि शेफाली को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए कूपर अस्पताल भेजा गया था, जहां उनके परिवार के लोग, करीबी दोस्त और फिटनेस ट्रेनर भी पहुंचे थे।

संगीतकार हरमीत सिंह से की थी पहली शादी

शेफाली जरीवाला ने 2004 में मीत ब्रदर्स जोड़ी के संगीतकार हरमीत सिंह से शादी की थी। 2009 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद 2015 में एक्टर पराग त्यागी से शादी कर ली थी।

भारत में समाजवाद की जरुरत नहीं, ना ही धर्मनिरपेक्षता हमारी संस्कृति का मूल

समाजवादी व धर्मनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की बहस में कूदे केंद्रीय मंत्री शिवराज

नई दिल्ली, एजेंसी। आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने संविधान की प्रस्तावना से ÷समाजवादी÷ और ÷धर्मनिरपेक्ष÷ शब्दों को हटाने पर बहस का आह्वान किया है। उन्होंने आपातकाल (1975-1977) के दौरान इन शब्दों को जोड़े जाने को बीआर अंबेडकर के मूल मसौदे से विचलन बताया था। इसके बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी इस बहस में कूद गए हैं। शिवराज ने कहा कि भारत में समाजवाद की कोई जरुरत नहीं है, साथ ही उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता हमारी संस्कृति का मूल नहीं है।

आपातकाल के दिनों को याद करते हुए शिवराज सिंह ने कहा उस समय मेरी उम्र सिर्फ 16 साल थी और मुझे भी डिफेंस ऑफ इंडिया रूल्स के तहत गिरफ्तार कर जेल ले जाया गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा में हुए शामिल

उज्जैन गोपाल मंदिर में की आरती

नगर संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को उज्जैन में खाती समाज और इस्कॉन के द्वारा प्रतिवर्ष निकाले जाने वाली रथ यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोपाल मंदिर पहुंचकर रथ यात्रा में सहभागिता की और भगवान की आरती की। इस दौरान जय जगन्नाथ का जयघोष किया। मुख्यमंत्री ने कालिदास संस्कृत अकादमी परिसर में बनाई गई गुंडिचा नगरी पहुंचकर भगवान श्री जगन्नाथ के विगृह को अपने कंधे पर उठाकर उनकी स्थापना की। मुख्यमंत्री ने भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान श्री बलराम और देवी सुभद्रा की आरती भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज पूरे विश्व में उडीसा में निकाली गई भगवान श्री जगन्नाथ की यात्रा का प्रसारण किया गया है। उज्जैन में भी काफी वर्षों से यह यात्रा निकाली जा रही है। यह हम सबके लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। उडीसा में स्थित भगवान जगन्नाथ जी का धाम चार धाम में से प्रमुख धाम है। उज्जैन के राजा इंद्रद्युम्न ने उडीसा में वर्तमान में स्थित मंदिर का निर्माण करवाया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की यात्रा का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। आज भी यात्रा के माध्यम से हमें उन अवस्मिरणीय पलों की स्मृति होती है। खाती समाज के द्वारा निकाली जाने वाली यात्रा में दूर-दूर से श्रद्धलु और समाज जन शामिल होते है, जो हम सब की जीवटता का प्रमाण है। मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा इस्कॉन के माध्यम से निकाली जाने वाली जगन्नाथ यात्रा में विक्रमादित्य शोध पीठ को भी जोडा गया है, जिससे भगवान जगन्नाथ की अन्य लीलाओं और कथाओं की जानकारी भी

आमजन को प्राप्त हो सके। भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलराम और देवी सुभद्रा की बहुत सारी गाथाएं यात्रा से जुडी हुई हैं। इन सभी कथाओं का निचोड़ यह है कि भगवान के प्रति हम सभी अपने शुध्द कर्मों के आधार पर प्रेम अर्पित करें और उनकी भक्ती करें। परमात्मा की हम सबके उपर कृपा बनी रहे और उनके प्रेम की वर्षा हम सब पर होती रहे बस यही प्रार्थना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन से ही शिक्षा ग्रहण की थी और विश्व गुरु बने। भगवद गीता का जो ज्ञान उन्होनें अर्जुन सहित पूरे विश्व को दिया था, उसका बीज उज्जैन से ही अंकुरित हुआ। महर्षि सांदिपनी व्यास के द्वारा प्रदान की गई शिक्षा और ज्ञान से भगवान श्रीकृष्ण ने पूरे विश्व को आलोकित किया। भगवद गीता के अध्याय और श्लोक हम सबको जीवन में मार्गदर्शन देने के साथ कर्म करने की प्रेरणा भी देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अवसर पर इस्कॉन के द्वारा निर्मित गीता ऐप की शुरुआत की। उल्लेखनीय है कि इस ऐप के माध्यम से भगवत गीता के श्लोक और अध्यायों का अध्ययन अध्यापन किया जाएगा और एक साथ बहुत सारे लोग भगवद गीता से संबंधित परीक्षाओं में सम्मिलित हो सकेंगे। विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित क्षेत्रो, उनके उपदेशों और उनकी लीलाओं का व्यापक प्रचार- प्रसार करने के लिए श्रीकृष्ण पाथेय का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में गीता भवन बनाने का निर्णय लिया गया है। हर भवन में एक लाइब्रेरी होगी और पुस्तकों और ग्रंथों के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण के उपदेश और जीवन लीलाओं का व्यापक प्रचार प्रसार कर सभी लोगों से परिचित करवाने का कार्य गीता भवन के माध्यम से किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का इस्कॉन की ओर से श्री राधा मदनमोहन का चित्र और भगवद गीता भेंट कर सम्मान किया गया। इस दौरान महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापती श्रीमती कलावती यादव, श्री संजय अग्रवाल, श्री जगदीश पांचाल सहित नागरिक और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

ब्रीफ न्यूज़

वंदे भारत में यात्री की पिटाई से पहले का वीडियो

भोपाल। 19 जून को नई दिल्ली-रानी कमलापति वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में यात्री के साथ हुई मारपीट से पहले का एक और सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वीडियो मारपीट की घटना से ठीक पहले का बताया जा रहा है। करीब 2 मिनट का यह नया वीडियो ट्रेन की गैलरी का है, जिसमें भाजपा विधायक राजीव सिंह पारीछा कोच में गेट के पास खड़े नजर आ रहे हैं। उनके साथ एक पुलिसकर्मी भी मौजूद है। थोड़ी देर बाद एक अन्य यात्री, जो कि पीड़ित यात्री राजप्रकाश के बगल वाली सीट पर बैठा था, गैलरी में आता है और विधायक से बहस शुरू कर देता है। इसी दौरान राजप्रकाश भी वहां पहुंचते हैं। वीडियो में साफ दिखता है कि दोनों यात्री राजप्रकाश और उनके साथ वाली सीट पर बैठा व्यक्ति विधायक पारीछा और उनके साथ मौजूद पुलिसकर्मी से उग्र लहजे में बात करते हैं और बार-बार उंगली उठाते हैं। विधायक राजीव सिंह लगातार दोनों को समझाने की कोशिश करते नजर आते हैं।

कमलनाथ बोले- एमपी में घोटाला जांच आयोग बने

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रदेश में आए दिन सामने आ रहे घोटालों पर राज्य सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में हर रोज एक नया घोटाला सामने आता है। अब तो इतने घोटाले हो चुके हैं कि प्रदेश में अलग से घोटाला जांच आयोग की स्थापना कर देनी चाहिए। बस इतनी गनीमत जरूर रखी जाए कि इस आयोग के गठन में ही घोटला न हो जाए। इसके लिए उन्होंने डंपर घोटाला समेत बीजेपी सरकार में हुए कई घोटालों का जिक्र भी किया है। एक्स पर किए ट्वीट में कमलनाथ ने कहा कि यह बात इसलिए कह रहा हूं कि नर्सिंग कॉलेज घोटाले के बाद अब मध्य प्रदेश में भोपाल की बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी में भी फैकल्टी भर्ती में घोटाला सामने आया है। यूनिवर्सिटी से संबद्ध विभिन्न एजुकेशन, मैनेजमेंट, लॉ और फिजिकल एजुकेशन कॉलेजों में फर्जी नियुक्ति किए जाने के कई मामले सामने आए हैं। एक ही व्यक्ति को कई-कई कॉलेजों में नियुक्त दिखाया जा रहा है। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि बीजेपी के राज में प्रदेश में एक और घोटाला सामने आया है।

जेल से छूटने पर बदमाश ने निकाला जुलूस

जबलपुर। जमानत पर जेल से छूटने की खुशी में हत्या के आरोपी कुख्यात बदमाश राजा सोनकर ने रांझी दर्शन चौराहे से बापू नगर तक जुलूस निकाला। जिसमें बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। मामले में पुलिस ने 50 से अधिक युवकों पर मामला दर्ज किया है। इनमें से 3 नाबालिग सहित 6 युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। रांझी पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है और जुलूस निकालने वाले बदमाश की तलाश की जा रही है। राजा सोनकर हत्या के मामले में 9 साल से जेल में था। उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। शुक्रवार को हाईकोर्ट ने उसे सशर्त जमानत दे दी। देर शाम राजा जेल से बाहर आया और सीधे घर पहुंचा। यहां उसके बड़े भाई अजय उर्फ विवेक सोनकर और दोस्त पहले से मौजूद थे। उन्होंने राजा के जेल से छूटने की खुशी में जुलूस निकाला, जिसमें बड़ी संख्या में युवक शामिल हुए। रांझी दर्शन तिराहे से बापू नगर तक भीड़ थी। युवक आतिशबाजी कर रहे थे।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष रायशुमारी का आज अंतिम दिन

इंदौर। इंदौर में जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी अब अंतिम दौर में पहुंच गई है। पार्टी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक दानिश अबरार आज अंतिम रायशुमारी कर रहे हैं। इससे पहले, अध्यक्ष पद के दावेदारों ने चुनाव में भीतरघात करने वाले नेताओं के नाम पर्यवेक्षक को सौंपे हैं। अबरार ने भरोसा दिलाया है कि इन नामों को दिल्ली भेजा जाएगा और उन पर विचार किया जाएगा। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय पर्यवेक्षक दानिश अबरार ने अध्यक्ष पद के सभी दावेदारों से एक-एक कर चर्चा की। इन सवालों के जवाब में कई दावेदारों ने खुलकर कहा कि चुनाव में पार्टी के कुछ नेताओं ने भीतरघात किया था, जिससे हार हुई। यह सुनकर अबरार ने तत्काल पूछा कि वे नेता कौन थे? इस पर दावेदारों ने विधानसभा-वार कुछ नेताओं के नाम बताए, जिनके कारण पार्टी को नुकसान हुआ। अबरार ने सभी नाम नोट किए और स्पष्ट कहा कि इन नेताओं के नाम दिल्ली भेजे जाएंगे। यह भी देखा जाएगा कि क्या ऐसे लोगों को भविष्य में कोई जिम्मेदारी दी जा रही है। इसके अलावा अबरार ने जिला पंचायत, जनपद सदस्य और सरपंचों से भी मुलाकात की। उन्होंने अपने क्षेत्रों की राजनीतिक स्थिति बताई और बताया कि किसने चुनाव में पार्टी प्रत्याशी का साथ नहीं दिया।

कांग्रेस ने उठाया ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण का मामला

हरीश बोले-कोर्ट की टिप्पणी के बाद भी ओबीसी से षड़यंत्र कर रही बीजेपी सरकार

नगर संवाददाता

भोपाल। ओबीसी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद कांग्रेस इस मामले में हमलावर हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बाद अब प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा है कि जब सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि 28 प्रतिशत आरक्षण लागू करने को लेकर कोई रोक नहीं है तो एमपी सरकार जानबूझकर पिछड़ों को कुचलने का काम कर रही है। एमपी में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू नहीं किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी चौधरी ने एक्स पर वीडियो अपलोड कर कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने 28 जनवरी 2025 को 27त्न आरक्षण लागू करने का फैसला किया और इसके खिलाफ दायर की गई जनहित याचिका को खारिज कर दिया। उसके बाद भी मध्य प्रदेश सरकार ने 27त्न आरक्षण लागू नहीं किया। चौधरी ने कहा कि 25 जून को सुप्रीम कोर्ट ने फिर से कहा कि 27त्न आरक्षण में कोई दिक्कत नहीं है तो इसे लागू क्यों नहीं किया जा रहा है? इस टिप्पणी के बाद भी राज्य सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में कई प्रयास के बावजूद विभागों में रोस्टर नहीं हैं। रोस्टर नहीं बनने के कारण कई खामियां

सामने आती हैं और आरक्षित सीटें नहीं दिखाई जातीं। इसका नुकसान पिछड़ा वर्ग के युवाओं को हो रहा है। कांग्रेस पार्टी इस लड़ाई को लड़ेगी और सरकार पर दबाव डालेगी। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राज्य सरकार की मंशा पर सवाल उठा चुके हैं। पिछले दिनों ट्वीट कर कमलनाथ ने कहा कि ओबीसी आरक्षण पर बीजेपी सरकार का छल कपट एक बार फिर सामने आ गया है। उच्चतम न्यायालय ने एक बार फिर दोहराया है कि मध्यप्रदेश में ओबीसी को 27त्न आरक्षण देने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने मध्यप्रदेश सरकार से सवाल पूछा है कि जब ओबीसी को 27त्न आरक्षण देने पर कोई कानूनी रोक नहीं है तो फिर मध्यप्रदेश की सरकार ओबीसी को बढ़े हुए आरक्षण का लाभ क्यों नहीं दे रही है? नाथ ने कहा कि वे याद दिलाना चाहते हैं कि मध्यप्रदेश की कांग्रेस सरकार का नेतृत्व करते हुए उन्होंने वर्ष 2019 में ओबीसी आरक्षण को 14त्न से बढ़ाकर 27त्न किया था। नाथ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय बार-बार कह रहा है कि ओबीसी को 27त्न आरक्षण देने पर कोई कानूनी अड़चन या प्रतिबंध नहीं है, बावजूद इसके मध्यप्रदेश सरकार का ओबीसी को बढ़े हुए आरक्षण का लाभ नहीं देना उसकी ओबीसी विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

धीरेंद्र शास्त्री बोले- कथा किसी जाति की बपौती नहीं

नगर संवाददाता

भोपाल। उत्तर प्रदेश के इटावा में गैर ब्राह्मण कथावाचकों के साथ हुई मारपीट और बदसलूकी के मामले में यूपी में मामला गर्माया है। 25 दिन की विदेश यात्रा से लौटे पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने इस पर कहा कि इटावा में जो घटना हुई, वह निंदनीय है। उन्होंने कहा- अगर कथावाचक ने कोई गलती की थी, तो कानून और न्यायपालिका का सहारा लेना चाहिए था। खुद न्यायाधीश बनने से विद्रोह की स्थिति बनती है। भगवान की कथा किसी जाति विशेष की बपौती नहीं है। वहीं, इस विवाद पर मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती ने कहा कि हमारे देश में ऐसा कोई विवाद नहीं हैं। राम कथा, कृष्ण कथा को लेकर, भागवत को लेकर कोई विवाद नहीं हैं। सबसे बड़े कथावाचक मुरारी बापू ब्राह्मण नहीं हैं। ब्राह्मणों ने कभी आपत्ति नहीं की। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- महर्षि वेद व्यास, वाल्मीकि जी, मीरा, सूरदास, रविदास और कबीरदास जैसे महापुरुषों ने भगवान की चर्चा की, लेकिन किसी ने उनकी जाति नहीं पूछी। उनकी वाणी ही उनकी पहचान रही।

भाजपा नेत्री नीरजा शर्मा ने नाहिला पंचायत में आयोजित शिविर का लिया जायजा

राजाखेड़ा धौलपुर राजस्थान

(उत्तम दीक्षित) । राजस्थान सरकार द्वारा चलाए जा रहे 24 जून से 9 जुलाई तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा कैंप आयोजित किया जा रहा है जिसके तहत राजाखेड़ा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत नाहिला में शनिवार को शिविर आयोजित किया गया जिसमें भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा ने शिविर का जायजा लिया और स्थानीय अधिकारियों से वार्ता करते हुए कहा कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत शिविर आयोजित किए जा रहे है जिनका सीधा लाभ आमजन को मिलना चाहिए सरकार का प्रयास है कि आम आदमी को उसके घर ही समस्याओं का निराकरण मिल सके उस उद्देश्य से कार्य करने की आवश्यकता है, साथ ही शिविर में मौजूद आमजन से संवाद करते हुए मौके पर लोगो की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों से निराकरण की बात कही। इस दौरान शिविर में शिविर प्रभारी टिकेंद्र सिंह, सहायक अभियंता विद्युत विभाग आनंद तिवारी, विकास अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी सहित अन्य मौजूद रहे

लिपस्टिक से दीवार पर लिखा सुसाइड नोट

नगर संवाददाता

भोपाल। भोपाल में एक नव विवाहिता ने शनिवार सुबह 5 बजे फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। मरने से पहले उसे लिपस्टिक से दीवार पर सुसाइड नोट लिखा। इसमें तीन लोगों को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया। घटना वल्लभ नगर इलाके की है। दो महीने पहले ही उसने लव मैरिज की थी। इससे उसकी सास और नानी सास खुश नहीं थी। दोनों आए दिन प्रताड़ित करने के साथ ही तानाकशी करती थीं। पुलिस का कहना है कि मायके पक्ष के बयानों को दर्ज किया जाएगा। डिटेल बयानों में आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। पुलिस के मुताबिक प्रियंका बमन पति कीविन (25) वल्लभ नगर बस्ती में रहती थी। 21 अप्रैल 2025 को शादी हुई थी। लव मैरिज की थी, पति फ्लैक्स प्रिंटिंग का काम करता है। मृतका के भाई निशांत ने बताया कि फिलहाल यह साफ नहीं है कि बहन ने क्यों और कैसे फांसी लगाई। संदेह है कि बहन को मारकर फंदे पर लटकाया गया है। प्रियंका ने लिपस्टिक से दीवार पर सुसाइड नोट लिखा है। इसमें उसने लिखा कि मेरी मौत के जिम्मेदार बेला दीदी (किराएदार), मम्मी (सास) और तनु दीदी हैं।

जीतू पटवारी के खिलाफ एफआईआर पर कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस

संगठन उपाध्यक्ष बोले- पीड़ित खुद चीफ से मिलने गया था, बीजेपी ने नौटंकी बताया

नगर संवाददाता

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर को लेकर शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा और संगठन उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे ने संयुक्त पत्रकार वार्ता। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह एफआईआर विपक्ष की आवाज को दबाने का एक राजनीतिक हथकंडा है। जीतू पटवारी ने सिर्फ एक पीड़ित को न्याय दिलाने की कोशिश की थी, लेकिन सत्ता पक्ष ने उनके खिलाफ झूठा केस दर्ज करा दिया। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी पलटवार करते हुए कांग्रेस पर राजनीतिक नौटंकी करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने कहा कि जिस व्यक्ति ने शुरुआत में अपनी आपबीती बयान की थी। जैसे उसे मल खिलाया गया, बंदूक तानी गई, मोटरसाइकिल छीनी गई। वही अब दबाव में बयान बदल रहा है। 10 जून से लेकर 18 जून तक उसने यही बातें सार्वजनिक रूप से कहीं, लेकिन अब सरकार के दबाव में उसे पीछे हटने पर मजबूर किया गया। कांग्रेस ने कहा कि जब पीड़ित को इंसाफ नहीं मिला, तो उसने आत्महत्या की भी कोशिश की, लेकिन स्थानीय प्रशासन ने

समझाकर उसे रोका। इसके बावजूद प्रशासन ने असली दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं की और अब उल्टा जीतू पटवारी पर ही एफआईआर दर्ज कर दी। युवक खुद जीतू पटवारी के दौरे का पता चलने पर उनके मिलने आया था। कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा के मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि अपनी खोई हुई साख को वापस पाने के लिए कांग्रेस मध्यप्रदेश की छवि को खराब कर रही है। जीतू पटवारी अब राजनीतिक तौर पर अप्रासंगिक हो चुके हैं। उन्हें अपने अध्यक्ष पद पर भी विचार करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने भोले-भाले युवाओं को बरगलाकर मोटरसाइकिल और अन्य प्रलोभन देकर साजिश रची है। आशीष अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस के ही एक अकाउंट से झूठा वीडियो वायरल किया गया और अब वे उसी को सच बताकर मीडिया को भी गुमराह कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मीडिया ने 19 तारीख तक इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया, लेकिन सरकार इसे झूठा साबित करने की कोशिश कर रही है। क्या अब सरकार पत्रकारों की रिपोर्टिंग को भी गलत ठहराएगी? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के विरुद्ध हुई एफआईआर, विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास है।

चाहे सरकार कितनी भी कोशिश कर ले, मध्य प्रदेश कांग्रेस का हर सिपाही जनता के हितों के लिए निरंतर लड़ता रहेगा।

27 फीट ऊंचें हाइड्रोलिक रथ पर निकलेंगे भगवान जगन्नाथ

रूस के श्रद्धालु भी होंगे शामिल; भोपाल टॉकीज से माता मंदिर तक जाएगी

नगर संवाददाता

भोपाल। इस्कॉन मंदिर द्वारा आज भगवान श्रीजगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा माता की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। यह इस्कॉन भोपाल की तेरहवीं वार्षिक रथयात्रा होगी। यात्रा शाम 4 बजे भोपाल टॉकीज से शुरू होकर हमीदिया रोड, भारत टॉकीज, रोशनपुरा, रंगमहल और न्यू मार्केट होते हुए माता मंदिर स्थित प्लेटिनम प्लाजा पर समापन को पहुंचेगी। रथयात्रा का शुभारंभ भोपाल की महापौर मालती राय आरती कर करेंगी। समापन स्थल पर मध्यप्रदेश शासन की मंत्री कृष्णा गौर आरती में शामिल होंगी। इस बार रथ पूरी उड़ीसा के नंदीघोष रथ की तर्ज पर बनाया गया है। 27 फीट ऊंचा, 24 फीट लंबा और 17 फीट चौड़ा यह रथ लोहे के मजबूत फाउंडेशन पर खड़ा है, जबकि ढांचा सागौन की

लकड़ी से निर्मित है। 2 टन लोहे और 50 घन फीट लकड़ी से बने इस रथ में छह फीट ऊंचे लकड़ी के विशाल पहिए लगाए गए हैं। इसकी ऊंचाई को हाइड्रोलिक लीवर से समायोजित किया जा सकता है। रथ की छत को सुंदर वास्तुशिल्पीय नक्काशी और रंगीन वस्त्रों से सजाया गया है। यह रथ पूरी तरह से हाइड्रोलिक है, जिसे आवश्यकता अनुसार ऊपर या नीचे किया जा सके।

इस वर्ष रथयात्रा में इस्कॉन के जोनल सेक्रेटरी महामन दास प्रभुजी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उनके साथ रूस से वितांक दास और द्विजमणि दास जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध भक्त भी भोपाल आएंगे। देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी की संभावना जताई जा रही है। रथ पर विराजमान भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा माता की झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। यात्रा मार्ग में भक्तजन 'हरे कृष्ण' महामंत्र के संकीर्तन के साथ रथ को रस्सियों से खींचेंगे। रास्ते भर शंख, मृदंग, करताल की ध्वनि और पारंपरिक झांकियां वातावरण को भक्तिमय बनाएंगी। रथ के साथ 151 विशेष भोग अर्पित किए जाएंगे और विभिन्न स्थानों पर आरती की जाएगी। रथयात्रा के दौरान 500 किलो खाजा प्रसाद का वितरण किया जाएगा। समापन स्थल पर देसी घी का हलवा प्रसाद 5000ङ्क7000 श्रद्धालुओं को वितरित किया जाएगा। इसके अलावा संध्या आरती के पश्चात इस्कॉन मंदिर द्वारा तैयार महाप्रसाद में लगभग 5000 लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई है।

भोपाल में इटावा घटना पर मनुस्मृति जलाकर विरोध करेगी डीपीआरएस

नगर संवाददाता

भोपाल। भोपाल में शनिवार को दलित पिछड़ा समाज संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के राष्टीय अध्यक्ष दामोदर सिंह यादव ने ऐलान किया कि अगर इटावा की जातीय हिंसा की घटना पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो 3 जुलाई को देशभर में मनुस्मृति की प्रतियां जलाकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में 22 जून को कथावाचक के यादव समुदाय से होने के कारण उसके साथ मारपीट, सिर मुंडवाने और अपमानजनक व्यवहार की घटना सामने आई थी। इस घटना को लेकर ने सख्त विरोध जताया है और इसे जातीय हिंसा की निंदनीय मिसाल बताया है। दामोदर यादव ने कहा कि मनुस्मृति के आधार पर आज भी जातीय भेदभाव और हिंसा को बढ़ावा मिल रहा है। ऐसी स्थिति में इसका प्रकाशन तत्काल बंद किया जाना चाहिए। यादव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी लगातार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की विचारधारा को कमजोर करने का प्रयास कर रही है।

युवाओं को जानना चाहिए लोकतंत्र का सचः मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर

भाजपा युवा मोर्चा ने मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया

देश पर आपातकाल को थोपकर देश को शर्मशार किया-युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री रोहित चहल

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर जीवाजी विश्वविद्यालय के अटल सभागार में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर मप्र विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय है। युवाओं को इस सच से अवगत होना जरूरी है। इससे वे लोकतंत्र की रक्षा के प्रति सजग रहेंगे। भाजपा युवा मोर्चा ऐसे आयोजनों से युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित कर रहा है। भाजपा आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से नई पीढ़ी को इतिहास से रूबरू करा रही है। पार्टी का उद्देश्य तत्कालीन कांग्रेस सरकार और इंदिरा गांधी द्वारा लोकतंत्र पर किए गए प्रहार को जनता के सामने लाना है। आज का युवा मोर्चा कल की भारतीय जनता पार्टी है उन्होंने कहा कि आज का युवा ही देश का भविष्य है और आज का युवा मोर्चा आने वाली कल की भारतीय जनता पार्टी है। आज के युवा को हर प्रकार की बातों की समझ होना चाहिए, नहीं तो वह जब पूरी तरह खड़े होंगे तो कहीं न कहीं अधूरे रह जाएंगे। इसलिए चाहे सामाजिक परिवेश हो, चाहे राजनैतिक परिवेश हो, चाहे आर्थिक परिवेश हो, चाहे आध्यात्मिक परिवेश हो, हर प्रकार

के क्षेत्र की समझ इसी आयु में हम सबके अंदर आए, यह पूर्ण रूप से निर्माण होने वाले व्यक्ति के लिए अत्यंत आवश्यक है। जब भी देश में कोई बडा परिवर्तन हुआ तो युवाओं के बिना संभव नहीं हुआ विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि जब भी देश में कोई बड़ा परिवर्तन हुआ तो वह युवाओं के बिना संभव नहीं हुआ है। 1857 में देश की आजादी की जो लडाई शुरू हुई थी, उसमें सबसे बड़ी योद्धा महारानी लक्ष्मीबाई थीं। 22-23 की उम्र में उन्होंने इतिहास बना दिया था। चाहे जगतगुरू शंकराचार्य हो, चाहे स्वामी विवेकानंद जी हो, इन लोगों ने भी विदेश की धरती पर धर्म जागरण किया तो उनकी उम्र भी इसी आयु की थी। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरू, पं राम बिस्मिल जी, अशफाक उल्लाह खान जिन्होंने देश की क्रांति की अलख जगाई और अमर होकर आज हमारे हृदय में राज कर रहे है और उनका जब बलिदान हुआ तब उनकी आयु भी युवावस्था थी। उन्होंने कहा कि सन् 1975 में श्रीमती इंदिरा गांधी देश की सर्वोच्च नेता थीं, हर जगह उन्हीं का राज था और धीरे.धीरे वो राज अराजकता का निर्माण करने लागा और देश में भ्रष्टाचार का बोलबाला बढ रहा था और पूरे देश में अत्याचार के कारण भय का माहौल था। जब इसके खिलाफ बाबू जयप्रकाश नारायण जी ने आवाज उठाई तो उनके साथ पूरा देश खडा था और उस समय इस आंदोलन की बागडोर युवाओं ने संभाल रखी थी। जिसके परिणामस्वरूप तीव्र आंदोलन हुए तो इंदिरा जी को अपनी सरकार की चिंता सताने लगी। जब इलाहाबाद हाईकोर्ट के तत्कालीन जस्टिस ने श्रीमती इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध घोषित किया तो इसका सम्मान होना चाहिए क्योंकि न्यायालय सर्वोच्च होता है और उसका निर्णय सबको मानना पडता है लेकिन इंदिरा गांधी जी ने इस निर्णय का सम्मान न करते हुए 25 जून 1975 को रात्रि 12 बजे देश पर आपातकाल थोप दिया और विपक्षी दलों के सभी नेताओं को पकडकर जेल में डाल दिया। पत्रकारों व इस भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को भी जेल में डाल दिया। चारों तरफ कोई भी सुनने वाला नहीं था, किसी के परिजनों को मिलने की अनुमति नहीं थी। इस समय सबसे ज्यादा गरीब लोगों के परिवारों को मुसीबत का सामना करना पडा, क्योंकि उनके यहां जो कमाने वाला था वह जेल में डाल दिया गया जिससे लोगों के परिवार बर्बाद हो गए। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति गलत इरादे से खुश हो सकता है, शोहरत बटोर सकता है, सत्ता हासिल कर सकता है, लेकिन वह भूल जाता है कि हिंदुस्तान की जनता के दिल में लोकतंत्र बसता है जब 1977 आया और चुनाव हुए तो इंदिरा गांधी की चुनाव में बुरी तरह हार हुई और अपनी कुर्सी गंवानी पडी।

आयोजन का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक चेतना और संविधान के प्रति सम्मान का भाव जागृत करना हैं-श्री प्रतीक तिवारी

इस अवसर पर युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष श्री प्रतीक तिवारी ने कहा कि युवा संसद का उद्देश्य युवाओं को भारत की संसदीय कार्य प्रणाली से परिचित कराना और उन्हें आपातकाल जैसे लोकतंत्र विरोधी घटनाक्रमों की ऐतिहासिक सच्चाई से अवगत कराना है। 1975 में लगाए गए आपातकाल ने संविधान, मौलिक अधिकारों और स्वतंत्र पत्रकारिता तक को कुचल दिया था। आयोजन का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक चेतना और संविधान के प्रति सम्मान का भाव जागृत करना हैं।

खास खबर

सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह कल कई कार्यक्रमों में होंगे शामिल

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर। ग्वालियर के लोकप्रिय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह कल 29 जून को ग्वालियर के कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। श्री कुशवाह सुबह 9.30 बजे गजराजा मेडिकल कॉलेज पहुंचकर उपचार साथी शिविर वॉक थ्रू कार्यक्रम में शामिल होंगे,सुबह 10 बजे नर्मदाश्वार महादेव मंदिर, पंचवटी वस्त्र नगर में रक्तदान शिविर में, सुबह 11 बजे पंचवटी वस्त्र नगर में मन की बात कार्यक्रम में शामिल होंगे। श्री कुशवाह दोपहर 12.30 बजे किला गेट चौराहे स्थित सरस्वती शिशु मंदिर बादलगढ़ में न्याय शिविर में शामिल होंगे । वहीं शाम 5 बजे बी ब्लॉक खाटूश्याम मंदिर के सामने, हुरावली रोड पर निश्चय डिफेंस अकेडमी का शुभारंभ करेंगे तथा शाम 6 बजे भद्राकली ट्रस्ट मंदिर लधेड़ी पावर हाउस के पास जय मां भद्रकाली माता का चारों पालकी एवं पंतगों का वार्षिक विशाल मेला कार्यक्रम में भाग लेंगे।

नाकाचंद्रवनी चौराहे से निडम ब्रिज चौराहा तक मुख्य मार्ग पर यातायात में अवरुद्ध कर रहे हाथ ठेले एवं फुटपाथियों को हटाया

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर शहर में सुगम यातायात के लिए नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा निरंतर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके अंतर्गत शहर के सभी प्रमुख मार्केट एवं सडकों पर अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया गया। मदाखलत अधिकारी श्री केशव सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशन तथा उपायुक्त श्री सत्यपाल सिंह चौहान के दिये गए निर्देश के पालन में पूर्व विधानसभा अंतर्गत नाकाचंद्रवनी चौराहे से निडम ब्रिज चौराहा तक मुख्य मार्ग पर यातायात में अवरुद्ध कर रहे हाथ ठेले एवं फुटपाथियो को हटाया जाकर सामान जप्ती की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही सख्त हिदायत दी गई कि ठेला आदि लगा कर किसी प्रकार का अतिक्रमण न किया जावे, अन्यथा मदाखलत विभाग द्वारा सामान जब्त कर जुर्माने की कार्यवाही की जावेगी। इसके साथ ही गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय एवं जयारोग्य हॉस्पिटल के मुख्य द्वार पर कुछ व्यक्तियों द्वारा हाथ ठेला एवं गुमटी लगा कर अस्थाई अतिक्रमण किया गया था। जिसको कार्यवाही कर हाथ ठेला गुमटी काउंटर सिलेंडर आदि सामान जप्त किया जाकर उक्त दोनों स्थलों के मुख्य द्वार से अस्थाई अतिक्रमण हटाया गया। उक्त कार्यवाही मदाखलत निरीक्षक श्री विशाल जाटव एवं मदाखलत अमले द्वारा की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विमानतल पर हुआ आत्मीय स्वागत

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को दोपहर वायुयान द्वारा ग्वालियर विमानतल पधारे। विमानतल पर मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत हुआ। उनके साथ प्रदेश के कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना एवं ग्वालियर सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह भी पधारे। विमानतल पर नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर,

भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री अभय चौधरी व श्री कमल माखीजानी सहित जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। विमानतल पर संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री, डीआईजी श्री अमित सांघी व नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने अगवानी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्वालियर विमानतल से हैलीकॉप्टर द्वारा टेकनपुर हैलीपेड पहुँचे।

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान ग्वालियर में एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर राजभाषा विभाग के निर्देशों के अनुपालन में शनिवार को क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान ग्वालियर में वर्ष 2025-26 की प्रथम एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन संस्थान के धनवन्तरी सभागार में किया गया। कार्यशाला में कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान प्रभारी डॉ. बी. एस. सिसोदिया, सहायक निदेशक, संस्थान प्रभारी ने की। श्रीमती सपना अविनाश कोंडलकर, अनु.अधि. एवं प्रभारी हिन्दी अधिकारी द्वारा ÷ई- ऑफिस

में हिन्दी का उपयोग÷ विषय पर व्याख्यान दिया गया, जिसके बाद कार्यालय अनुभाग से श्री अंकित मालवीय द्वारा इसी विषय पर प्रशिक्षण दिया जायेगा। संस्थान प्रभारी ने कार्यशाला को सभी के लिए मौलिक रूप से उपयोगी बताया और सभी को ई- ऑफिस में कार्य करते हुए भी शत- प्रतिशत कार्य हिंदी में बनाये रखने का निर्देश दिया। संस्थान के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों ने न केवल उत्साहपूर्वक कार्यशाला में भाग लिया बल्कि अपने प्रश्नों और कठिनाइयों के हल भी प्राप्त किये। राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

खरीफ सीजन की फसलों के लिये जिले में पर्याप्त उर्वरक की उपलब्धता

ग्वालियर।नगर संवाददाता

कलेक्टर के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कर रहे हैं निगरानी

ग्वालियर खरीफ सीजन की फसलों के लिये जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। जिले में प्राप्त रैकों के माध्यम से किसानों को निरंतर खाद की उपलब्धता कराई जा रही है। वर्तमान में जिले में 15,500.00 मे.टन यूरिया, 7,700.00 मे. टन डीएपी, 6,200.00 में. टन एन.पी. के. एवं 7,800.00 में टन एस.एस.पी. खाद की उपलब्धता जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित कराई जा चुकी है तथा जिले में एक अप्रैल से अब तक सहकारिता एवं निजी क्षेत्र में कुल 6,538.00 मेंटन यूरिया 3,941.00 में. टन डीएपी एवं 1,003.00 मे.टन एन.पी.के. खाद का वितरण कृषकों को किया जा चुका है। वितरण उपरान्त जिले में 8,765.00 में. टन यूरिया, 3,814.00 में. टन डीएपी एवं 5,263.00 में टन एनपीके तथा 600.00 मे.टन टी.एस.पी. तथा एस.एस.पी. 6,496.00 मे.टन शेष भंडारित है। जिला प्रशासन द्वारा जिले में प्राप्त आगामी रैकों निरंतर खाद की आपूर्ति सुनिश्चित कराई जावेगी । कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा अपने - अपने क्षेत्र की खाद-बीज विक्रय दुकानों का निरीक्षण भी किया गया है। दुकानदारों को अपनी दुकान के बाहर रेट लिस्ट प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में कृषकों द्वारा खरीफ सीजन की फसलों की बुवाई प्रारम्भ कर दी गई है। इस हेतु किसानों द्वारा बड़ी मात्रा में उर्वरकों का उठाव किया जा रहा है। जिले में सहकारी क्षेत्र में विपणन संघ के 06 भंडारण केन्द्रों, 02 मार्केटिंग समिति व 72 सहकारी समितियों के अतिरिक्त निजी क्षेत्र में 40 थोक विक्रेता एवं 350 फुटकर विक्रेताओं के माध्यम से उर्वरक विक्रय किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा जिले में प्राप्त रैकों के माध्यम से निरंतर खाद की उपलब्धता एवं पारदर्शी वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। खरीफ सीजन में जिले में गत वर्ष 44,000.00 मे.टन यूरिया 14,900.00 मे.टन डीएपी एवं 4 6,600.00 में. एन पी के खाद का वितरण निजी एवं सहकारी क्षेत्र के माध्यम से किया गया था। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष जून 2024 तक जिले में 8,625.00 मे.टन यूरिया, 3,611.00 मे.टन डीएपी, 367.00 में. टन एन.पी.के. खाद का वितरण कृषकों को किया गया था, जिसकी तुलना में इस वर्ष पर्याप्त मात्रा में खाद जिले में उपलब्ध है।

जिले में इन विक्रय केन्द्रों पर कृषकों द्वारा किया जा सकेगा उपलब्ध खाद का उठाव

सहकारी समिति- अजयगढ़, अकबई, आंतरि, आरोन बडागांव, बडेरा बुजुर्ग, बंधोली, बनवार, बरई बेहट, बेहटा, बिल्हाती, भेगना, भितरवार बिजोली, छीमक, चितावनी, डबका, दुबहा, गडाजर, घरसोंधी, गोहिंदा, गुन्धारा, इटमा, जड़ेरुआ, जमाहर, जखारा, झाडोली, कछोऊआ, करई, करहिया, करियावटी, खडवई, खेडापलायचा, मस्तुरा, मोहनगढ़, मोहना, पिछोर, पिपरौआ, पनिहार, रंगवा, रेहट, सहोना, शुक्ल्हारी, सूखापठा, सुपवाली, तिघरा, उटीला मार्केटिंग समिति - भितरवार एवं मुरार ।

विपणन संघ के समस्त भंडारण केंद्र लक्ष्मीगंज, पुतलीघर, डबरा, सिंध डबरा, चीनोर एवं भितरवार, तथा निजी खाद विक्रेता समस्त ।

डीएपी खाद के सीमित उपयोग को बढ़ावा

तहसीलदार साहब की गाड़ी पर नेम प्लेट है लेकिन नंबर प्लेट नहीं

नवनीत एक्सप्रेस/हर्षित दुबे

साहब की गाड़ी महिंद्रा बोलेरो, तहसील टप्पा पर, संभवत रोज आती होगी, ट्रैफिक नियम के अनुसार, गाड़ी के बैक और फ्रंट पर, स्पष्ट रूप से, गाड़ी का नंबर लिखा होना चाहिए.... साहब की नेम प्लेट तो स्पष्ट

रूप से दिख रही है, लेकिन पीछे की नंबर प्लेट ही नहीं है.... तहसील टप्पा के पास, 7 नंबर चौराहे पर, सुबह शाम वाहनों की, खूब चेकिंग चलती है, संभवत वापसी में टर्न भी वहीं से होती होगी, लेकिन यह गाड़ी कभी नजर नहीं आई, जिम्मेदारों को..

ग्वालियर चातुर्मास के लिए आचार्य श्री सुबल सागर महाराज सहित नौ संतो का हुआ भव्य मंगल प्रवेश

आचार्यश्री सुबल सागर सहित नौ संतो की आगवानी जैन समाज ने की। संतों के चातुर्मास के लिए निकली मंगल प्रवेश शोभायात्रा

ग्वालियर शहर में पहली बार नौ साल के बाद नौ संतो का एक साथ हुआ भव्य मंगल प्रवेश, गूंजे रास्तेभर जयकारे। करेंगे शहर में चातुर्मास

ग्वालियर -- तपस्वी सम्राट श्री सन्मति सागर महाराज के अंतिम शिष्य आचार्य श्री सुबल सागर महाराज ससंघ का ग्वालियर की पवन धरा पर भव्यता सन्मति सुबल वर्षायोग ग्वालियर 2025 चातुर्मास के लिए नौ साल के बाद नौ संतो का एक साथ भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा ग्वालियर सकल जैन समाज की ओर आज शनिवार को दौलतगंज स्थित दिगंबर जैन मंदिर से निकली गई। आचार्य श्री सुबल सागर महाराज ससंघ की आगवानी लश्कर, मुरार, उपनगर ग्वालियर सहित सम्पूर्ण ग्वालियर सकल जैन समाज ने सम्मिलित होकर जयकारों के साथ की जैन

समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि समन्वयक जैन मिलन ग्वालियर के निर्देशन में आचार्य श्री सुबल सागर महाराज ससंघ की मंगल प्रवेश शोभायात्रा दौलतगंज जैन मंदिर से शुरू हुई। इस शोभायात्रा में सबसे आगे घोड़े पर सवार युवा हाथों में जैन ध्वजा लेकर चल रहे थे। वही डी.जे पर भजनों पर युवक और युवतियां जमकर नृत्य कर रहे थे। शोभायात्रा में महिलाएं केसरिया साड़ी और पुरुष साफ बांधकर व्हाइट परिधानों में सम्मिलित हुए। वही आचार्यश्री सुबल सागर जी महाराज सभी भक्तो को आशीर्वाद देते हुए चल रहे थे। मंगल प्रवेश शोभायात्र दौलतगंज से शुरू होकर पाटनकर चौराहे, फालका बाजार राममंदिर से गस्त का ताजिया, डीडवाना ओली, सराफा बाजार, महाराज बाड़ा, मोर बाजार, दाना ओली से होती हुई कार्यकम स्थल चंपाबाग धर्मशाला पहुंची। वही बैंड, ढोला ताशे के साथ जैन समाज के समाजजन ओर संस्थाएं जगह जगह रंगोली सज्जकर अपने प्रतिष्ठान, निवास ओर मंच लगाकर आचार्य श्री सुबल सागर महाराज की आगवानी कर पद प्रक्षालन के साथ दीपकों से आरती उतारी।

सफाई व्यवस्था को गंभीरता से लें, अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें- निगमायुक्त संघ प्रिय

ग्वालियर।नगर संवाददाता

सफाई व्यवस्था को लेकर निगमायुक्त ने ली वृहद बैठक, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

ग्वालियर शहर की सफाई व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने आज स्वास्थ्य अमले की बैठक ली तथा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि सफाई कर्मचारी से लेकर वरिष्ठ अधिकारी तक जो भी सफाई व्यवस्था को गंभीरता से नहीं लेगा वो कडी कार्रवाई के लिए तैयार रहे। शहर में कहीं भी मुख्य मांगों पर, व्यावसायिक स्थल, चौराहे, पर्यटन

स्थल एवं सब्जी मंडी में कतई गंदगी नहीं दिखनी चाहिए। यहां प्रतिदिन साफ सफाई हो और कचरा उठे। इसकी व्यवस्था संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें। निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने बाल भवन के नवीन बैठक सभागार में बैठक लेकर स्वास्थ्य के पूरे अमले को स्पष्ट निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था में यदि किसी ने भी लापरवाही बरती तो वह बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अपर आयुक्त श्री मुनीष सिकरवार, उपायुक्त श्री अमर सत्य गुप्ता, नोडल अधिकारी आईईसी श्री मुकेश बंसल, नोडल अधिकारी कार्यशाला श्री पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव, सहायक यंत्री श्री महेंद्र प्रसाद अग्रवाल, नोडल अधिकारी श्री शैलेन्द्र सक्सेना, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव, सभी एचओ, एएचओ, डब्ल्यूएचओ, डिपो प्रभारी, एफएसटी प्रभारी आदि उपस्थित रहे। बैठक में अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने निर्देशित किया कि मुख्य मार्गों सार्वजनिक स्थानों, पार्कों, पर्यटन स्थलों आदि स्थानों पर गंदगी पाई गई तो संबंधित डब्ल्यूएचओ पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

कविता

इती सी जिंदगी ख्वाब बहुतेरे

छोटी सी जिंदगी में ख्वाब बहुत हैं
पकड़ना चाहा हाथों से पर टूटते बहुत हैं

यह आँखें हर रोज एक ख्वाब देख लेती हैं
पूरा ना हो तो सैलाब बना देती हैं
कैसे पूरे होंगे पता नहीं, बस चल रहे हैं.. कहाँ पता नहीं
तुम्हारी जिद्द पर चल तो दिए हैं पर जिसका कहीं भी रस्ता नहीं
कभी तो मोड़ आएगा जिसका हमें भी पता नहीं

खड़े हैं अकेले किसी का कुछ अता पता नहीं
छोटी सी गलियाँ, रास्ते कठिन हैं
छोटा सा जीवन सपने बहुत हैं
छोटी सी जिंदगी में ख्वाब बहुत हैं
पकड़ना चाहा हाथों से पर टूटते बहुत हैं

पहुँचते ही पास दूर उड़ जाते हैं
मुट्ठी में आते ही ढह जाते हैं

ख्वाबों के पैमाने जिंदगी से बड़े हो जाते हैं
उड़ने से पहले ही पँख टूट जाते हैं
आँचल में थाम तो लिए पर ख्वाब ज़िंदगी से भारी पड़ जाते हैं

जिंदगी में हमें बिखर कर टूटे बहुत हैं
किया मजबूत स्वयं को चाहे बिखरे बहुत हैं

छोटी सी जिंदगी में ख्वाब बहुत हैं
पकड़ना चाहा हाथों से पर टूटते बहुत हैं

वंदना घनश्याला की कलम से

वंशवाद परिवारवाद भाई भतीजावाद से प्रतिभावान काबिलियत के सर्वोपरि सामर्थ्य को क्षति

परिवार के व्यापार व्यवसाय पेशे का अनुसरण करना स्वाभाविक है, परंतु प्रतिभावान काबिलियत का बाधक भाई भतीजावाद परिवारवाद एक बुराई - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - सदियों पुराने भारतीय इतिहास के पन्नों में दर्ज वंशवाद परिवारवाद के किस्से राजा महाराजाओं के स्तरपर हम बहुत पढ़ें हैं कि यह फलाने वंशज का है, यह राजशाही परिवार का है जो वर्तमान रूप में कुछ दूसरे रूपों में यह फलाने नेता का रिश्तेदार है, ढिकानें उद्योगपति का रिश्तेदार है, इत्यादि अनेक वंशवाद परिवारवाद से शब्दों की बात होती है। हालांकि किसी भी परिवार या वंश का उनके किसी भी घरेलू पेशे व्यापार व्यवसाय का अनुसरण करना स्वाभाविक ही है क्योंकि वह मनीषी जीव उसी परिवार में जन्म लेकर बल्य काल से ही उस पेशे व्यापार-व्यवसाय के माहौल में छोटे से बड़ा होता है इसको हम, एक उदाहरण के तौर पर अगर कोई एक इंजिनियर, सीए है तो क्या इसी कारण उसके पुत्र को इंजीनियर सीए नही बनने दिया जाएगा .अगर इंजीनियर का बेटा भी इंजीनियर बने तो वंशवाद को बढ़ावा देने जैसा है क्या . किसी वकील का बेटा क्या वकालत नही कर सकता है क्योंकि ये वंश वाद को बढ़ावा देना होगा.. अगर वह अच्छा वकील ही नही है तो उसके पक्षकार ही उसे अपने आप ही ठुकरा देंगे। इसमे वंशवाद कहा से आ टपका .. ठीक वैसे ही अगर पिताश्री मंत्री था या विधायक था तो बेटे को भी भी मंत्री या विधायक बनने से रोकने वाला कानून देश में या दुनिया मे कहि नही है।

साथियों जैसे काबिल न होने पर बड़े नामचीन वकील का बेटा बड़ा वकील नही बन पाता है वैसे ही नेताजी के बेटे नाकाबिल है तो जनता अपने आप ही उसे ठुकरा देगी।सवाल तो क़ाबिलियत का है नकि पिताश्री क्या थे इस बात का है, और व्यवसाय में तो ऐसे ही होता है, उत्तराधिकारी कोई परिवार से ही होता है। वंशवाद अपने आप मे कोई चुनौती नही है। नाही वंशवाद में कोई बुराई भी है। केवल एक वंश का कोई है इस बात के लिए सही योग्यता है या नही इसे देखे बगैर ही उसे चुनना या उसे किसी भी पद पर बैठाना जरूर गलत है अन्याय और बुराई है।साथियों बात अगर हम पौराणिक काल के वंशवाद की तुलना आज के परिवारवाद भाई भतीजावाद से करें तो,कुछ विशेषयज्ञ वंशवाद की तुलना राजशाही से करते हैं, उनके अनुसार फर्क है तो इतना ही कि पहले राजे महाराजे अपने उत्तराधिकारी की घोषणा करते थे, भारत के लोकतंत्र में आज यह काम उनके लिए चाहे, अनचाहे ढंग से जनता या वोटर करते हैं। इसी तर्क को लेकर कुछ नेता यह दोहराने से नहीं थकते कि उनके परिवार के लोग राजनीति में चुनाव जीत कर आए हैं, किसी की मेहरबानी या खैरात से नहीं है। साथियों बात अगर हम कुछ वर्षों से परिवारवाद भाई भतीजावाद पर बढ़ते विरोधी ट्रेंड की करें तो, वर्तमान समय में पीएम के कटु आलोचक भी मानते हैं कि उन्होंने भारतीय राजनीति के व्याकरण को कई मायनों में बदला दिया है। आज परिश्रम, दक्षता और योग्यता रूपी मानवीय गुणों ने तेजी से चाटुकारिता और परिवारवाद वाली राजनीति की जगह ले रही है। वैसे भी जो पार्टी लंबे समय तक सत्ता में रहती है, वही भविष्य के लिए खेल के नियम तय करती है। सभी छोटे खिलाड़ी उस फामरूले का अनुकरण करते हैं। एक पार्टी भी लंबे समय तक सत्ता में रही है। लिहाजा अधिकांश पार्टियों ने उसका अनुकरण किया। उस पार्टी ने भारतीय राजनीति को वंशवाद की राजनीति का सूत्र सिखाया। बाल गंगाधर तिलक, मदन मोहन मालवीय, सुभाष चंद्र बोस और महात्मा गांधी सरीखे दिग्गजों ने पार्टी को एक आंदोलन के रूप में चलाया, लेकिन स्वतंत्रता के बाद वह उनकी मात्र बनकर रह गई। उसने समय के साथ खुद को देश के प्रथम-परिवार के रूप में स्थापित कर लिया ऐसा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आया है हालांकि उसकी पुष्टि नहीं की गई है।साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा लाल किले की प्राचीर से परिवारवाद भाई भतीजावाद मुद्दे पर क्षणिक संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा दूसरी एक चर्चा मैं करना चाहता हूं भाई-भतीजावाद, और जब मैं भाई-भतीजावाद परिवारवाद की बात करता हूं तो लोगों को लगता है मैं सिर्फ राजनीति क्षेत्र की बात करता हूं। जी नहीं, दुर्भाग.य से राजनीति क्षेत्र की उस बुराई ने हिन्दुस्तान की हर संस्थाओं में परिवारवाद को पोषित कर दिया है। परिवारवाद हमारी अनेक संस्थाओं को अपने में लपेटे हुए है। और इसके कारण मेरे देश के ह्लड्ढद्दठ्ठह्ल को नुकसान होता है। मेरे देश के सामर्थ्.य को नुकसान होता है। जिनके पास अवसर की संभावनाएं हैं वो परिवारवाद भाई-भतीजे के बाद बाहर रह जाता है। भ्रष्टाचार का भी कारण यह भी एक बन जाता है, ताकि उसका कोई भाई-भतीजे का आसरा नहीं है तो लगता है कि भई चलो कहीं से खरीद करके जगह बना लूं। इस परिवारवाद से भाई-भतीजावाद से हमें हर संस्थाओं में एक नफरत पैदा करनी होगी, जागरूकता पैदा करनी होगी, तब हम हमारी संस्थाओं को बचा पाएंगे। संस्थाओं के उज्ज्वल भविष्.य के लिए बहुत आवश.यक है। उसी प्रकार से राजनीति में भी परिवारवाद ने देश के सामर्थ्.य के साथ सबसे ज़्यादा अन्.याय किया है। परिवारवादी राजनीति परिवार की भलाई के लिए होती है उसको देश की भलाई से कोई लेना-देना नहीं होता है और इसलिए लालकिले की प्राचीर से तिरंगे झंडे के आन-बान-शान के नीचे भारत के संविधान का स्.मरण करते हुए मैं देशवासियों को खुले मन से कहना चाहता हूं, आइये हिन्दुस्तान की राजनीति के शुद्धिकरण के लिए भी, हिन्दुस्तान की सभी संस्थाओं की शुद्धिकरण के लिए भी हमें देश को इस परिवारवादी मानसिकता से मुक्ति दिला करके योग.यता के आधार पर देश को आगे ले जाने की ओर बढ़ना होगा। यह अनिवार्यता है। वरना हर किसी का मन कुंठित रहता है कि मैं उसके लिए योग.य था, मुझे नहीं मिला, क.योंकि मेरा कोई चाचा, मामा, पिता, दादा-दादी, नाना-नानी कोई वहां थे नहीं। यह मनन्स्थिति किसी भी देश के लिए अच्छी नहीं है।अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि परिवारवाद!! वंशवाद परिवारवाद भाई भतीजावाद से प्रतिभावान काबिलियत के सर्वोपरि सामर्थ्य को क्षति है ।परिवार के व्यापार व्यवसाय पेशे का अनुसरण करना स्वाभाविक है परंतु प्रतिभावान काबिलियत का बाधक भाई भतीजावाद परिवारवाद एक बुराई है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

उपनिषदो का स्वाध्याय क्यों

भौतिक सुख आइस्क्रीम का स्वाद भर

छोटी-छोटी बातों को लेकर चलते हैं कितनी दवाइयां? कितने के ब्रांड है ? उतने ब्रांड अपने व्यावसायिक औद्योगीक और व्यापारी जगत में सुनने को नहीं मिलेंगे। शरीर के भीतरी अतडियों के भीतर ब्रांड घुस गए है। जन्म से लेकर अब तक के जिस आयु मे आप जी रहे हैं, उसमें जो सुख सुविधा सब देख रहे हैं वह सब अल्पकालिक भौतिक वैज्ञानिक सुविधाए है। यह सुविधाए हमें आराम दायक तो लगती है किंतु तात्कालिक आराम होता है। स्थाई लाभ नहीं होता । जो विलासिता का जीवन जीते हैं वह विलासिता भी अस्थाई होती है। विज्ञान ,व्यवसाय औद्योगीकरण का इतना दामन चोली वाला हो गया है कि तत्काल एक दूसरे की पूर्ति करने के लिए तैयार हो जाता है। अस्पताल में देखो दस्ताने के दस्ताने अलग-अलग तरीके। एक-एक पल में दस्ताने फेके जा रहे हैं । टिशू पेपर है जरासी बात पर फेके जा रहे हैं। -कपड़ों कीचादर जगह कागजों का बिछावन हो रहा है होता है। इंजेक्शन सूर्य सर्जिकल मटेरियल रोज 1000 रो लाखो टन बनते हैं तो हजारों टन बर्बाद भी होते हैं। अस्पतालों में जितना यूज एण्ड थ्रो का उतना शायद कहीं नहीं होता होगा। इन औषधियो का विचार करें 1 इंच मुंह से लखोटन पेट में जाता है। जाने क्या-क्या पीठ पर जाता है । खाने के साथ औषधि भी जाती है यही औषधि के द्वारा मुंह के द्वारा नहीं जाती तो बाय अंगों में सुईयां ठूंस ठूंस कर अन्यथा मलमूत्र के क्षेत्र से भी पेट में डाला जाता है कितने प्रकार की दवाइयां औषधि पाउडर के रूप में, रसायन के रूप में, गोलियों के रूप में, मलहम के रूप में,और न जाने पंचतत्वों के नियमानुसार दी जाती है। यह पांच तत्व उन दवाइयां को अपनी तरह से कर लेता है फिर भी हम संतुष्ट नहीं पाते स्थाई आराम या स्थाई सुख के लिए तरसते रहते हैं। बाजारवाद इतना भयंकर बढ़ गया है कि क्या है। आप मुंह खोलो आपके लिए वस्तु तैयार। बड़े पैमाने को उत्पादन इतना तेजी से बढ़ रहा है की वस्तुएं न चाहते हुएभी घरों में घुस रही है । थोड़ी कल्पना करके देखिए हम बालक थे हम शिक्षित होने लगे क्या कारण है कि हम बढ़ती आयु में शिक्षा लेते हुए भी बीमार पड़ते हैं ? बीमारी ना भरे इसलिए शिक्षा ली जाती है लेकिन इस आयु में हम बीमारी को भविष्य के लिए संग्रहित करते आ रही है। छोटी सी आयु में आप किसी किसी रूप से बीमार पड़ जाते हो और वह व्याधि चिरकाल तक के आपको घेरे रहती है । क्या कारण है ? हमारा खान, पान हमारा रहन-सहन, और हमारी तमाम औषधियां,और टोने-टोटके घुटने नहीं टेकते। निरंतर उपाय बताते रहते हैं। रोगी कहता है जहां हाथ लगाओ वहां दर्द है और डॉक्टर कहता है मेरे पास उसका इलाज दर्ज है। जो पुरानी कहावत है जो जो दवा की मर्ज बढ़ता ही गया। क्या क्या कारण है हम पढ़ते लिखते जा रहे हैं अच्छे बनते जा रहे हैं और हमारी औषधीयो का खर्चा उससे ज्यादा होता जा रहा है ? क्या कारण है कि हमारी आवश्यकता है दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है कम होने का नाम नहीं लेती । किसी क्षेत्र में चले जाओ आपको अथाह वस्तुए और उसके विकल्प मिलेंगे क्या कारण है इतने विकल्पों के? विकल्प क्यों बनते हैं सस्ते महंगे के लिए ?या अनुकरण करने के लिए ? अनुकरण की क्यों होड लगी रहती है ? क्योंकि हम आज के विकासवाद से संतुष्ट नहीं है एक के बाद एक विकास हमारा पीछा करता है और हमें विचलित करता रहता है। इस सब के पीछे भौतिक विज्ञान की अंधाधुन उन्नति और उसके दुष्परिणाम । क्योंकि सुख पाने के लिए हम भागे जा रहे हैं । जबकि सुख हमारे भीतर है

- सुरेश खांडवेकर

आस्था

आषाढ़ शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि दिन रविवार

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते राहुल गांधी

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि %भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है।% उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है। नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया था- %ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है।' अप्रैल 2025 को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे के दौरान बोस्टन में एक मीटिंग को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए, चुनाव पर बड़े सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव आयोग %कंप्रोमाइज्ड% है। ताजा संदर्भ राहुल गांधी ने 'मैच-फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा। ये कई अखबारों में छपा। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं और भाजपा ने सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया। यह कोई पहला ऐसा मौका नहीं है जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठया हो या फिर उन्हें कटघरे में खड़ा करने का काम किया हो। वो आदतन अक्सर ऐसा करते रहते हैं । इसे भी पढ़ेंः राहुल गांधी के %मिशन बिहार% को बड़ा झटका- अब कांग्रेस क्या करेगी? भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित करता है जिसे संसद, राष्ट्रपति, विधानसभा और

सभी निर्वाचित निकायों के चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने का दायित्व दिया गया है। यह संस्था न तो कार्यपालिका के अधीन है और न ही किसी राजनीतिक दबाव में काम करती है। भारतीय निर्वाचन आयोग केवल एक प्रशासनिक निकाय नहीं बल्कि विवाद-निराकरण और मतदाता-विश्वास निर्माण की भी जिम्मेदारी निभाता है। आयोग मतदान प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाने के लिए कई स्तर पर काम करता है। राहुल गांधी सस्ती लोकप्रियता पाने के कुछ भी बयान देते हैं, पर तर्क और तथ्य की कमी होती है। इससे समाज में भ्रम फैलता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। विदेशी धरती पर जाकर वो देश का अपमान, मोदी सरकार की आलोचना और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का कोई अवसर चूकते नहीं हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि %भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है।% उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है। खासकर तब जब भारत में लगातार चुनाव होते रहे हैं और सरकारें बदलती रहीं हैं। बीते 10-11 वर्षों में देश में कई ऐसी सरकारें बनी हैं, जिसे बीजेपी को हराने के बाद कांग्रेस को मौका मिला है। मतलब, अगर नतीजे राहुल और उनकी पार्टी के लिए अच्छे रहें तो लोकतंत्र ठीक है और नहीं तो वह %ब्रोकेन हो जाता है। सितंबर 2023 में राहुल गांधी ने ब्रसेल्स में यूरोपियन यूनियन में कहा कि भारत में %फुल स्केल एसॉल्ट% हो रहा है। उन्होंने भारतीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर संदेह जताया। मई 2022 में लंदन में %आइडियाज फॉर इंडिया% सम्मेलन में राहुल ने कहा कि भारत की संस्थाएं %परजीवी% बन गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि %डीप स्टेट% (सीबीआई, ईडी) भारत को चबा रहा है। यहां %डीप स्टेट% का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। यहां %डीप स्टेट% का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। राहुल गांधी ने भारत की तुलना पाकिस्तान जैसे अस्थिर लोकतंत्र से भी कर दी। 2017 में ही अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा कि भारत अब वह नहीं रहा जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। उन्होंने विदेश की धरती पर भारत में %फ्री स्पीच% की स्थिति पर संदेह पैदा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत में सहनशीलता खत्म हो गई है। जबकि, हकीकत ये है कि राहुल गांधी संसद से लेकर बाहर तक जब जो जी में आता है, बयान देते रहे हैं और सरकार को छोड़ दें, शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची हो, जिस पर उन्होंने निशाना न साधा हो। राहुल गांधी यह क्यों भूल जाते हैं कि भारतीय चुनाव आयोग ने ही वे चुनाव संपन्न करवाए हैं, जिनके दम पर वह आज विपक्ष के नेता पद पर बैठे हुए हैं। उनके परिवार के तीन-तीन सदस्य इन्हीं चुनावी प्रक्रियाओं का सहारा लेकर संसद में मौजूद हैं। यहीं की संवैधानिक संस्थाओं ने उन्हें इतनी राहत दी हुई है कि नेशनल हेराल्ड केस में गंभीर आरोपों के बावजूद वो और उनका मां सोनिया गांधी को जमानत मिली हुई है। बीते कुछ वर्षों में राजनीतिक तौर पर भले ही भारत की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने का चलन बन गया हो लेकिन भारत के चुनाव आयोग की प्रशंसा केवल देश के भीतर ही नहीं संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों और कई विदेशी सरकारों द्वारा भी की गई है। हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के 2020 के एक अध्ययन में भारत के चुनाव आयोग को 'वन ऑफ़ दी मोस्ट रोबस्ट इलेक्टोरल इंस्टीटूशन्स ग्लोबली' (विश्व स्तर पर सबसे मजबूत चुनावी संस्थाओं में से एक) कहा गया। यही नहीं, 2014, 2019 और 2024 के आम चुनावों में भारत ने पूरी दुनिया को दिखाया कि तकनीक, प्रशिक्षण और जनता की भागीदारी के माध्यम से एक निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संभव है। बीती मई को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने से चुनाव आयोग से मुलाकात कर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया था। यह बातचीत निर्वाचन आयोग की उस नई पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सीधे तौर पर सुनकर चुनावी प्रक्रिया को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाना है। चुनाव आयोग अब तक देशभर में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन बैठकों में अब तक 28,000 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से लिखित में तथ्यों की मांग की और चर्चा के लिए भी आमंत्रित किया है और अब यह दायित्व बनता है कि आरोप लगाने वाले नेता उन्हें उचित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करें। हालांकि राहुल गांधी के पूर्व रिकार्ड के हिसाब से ऐसा लग नहीं रहा है कि वो चुनाव आयोग के सामने जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अभिषेक सिंघवी, विवेक तन्खा जैसे बड़े वकीलों और पार्टी के अन्य नेताओं को रखा हुआ है। राहुल गांधी का काम सिर्फ आरोप लगाना है। अगर एजेंसी आरोपों को जवाब देना चाहती है तो वह सुनना उनका काम नहीं है। कमोबेश ऐसा ही आचरण उनका संसद में भी है। असल में] राहुल गांधी आरोप लगाकर, सामने वाले का पक्ष या जवाब सुनने की बजाय कोई नया आरोप लगाने की तैयारी में जुट जाते हैं। तथ्य और तर्क से उनका कोई लेना देना नहीं रहता। तथ्य यह भी है कि नवंबर 2024 में विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस की ओर से इसी तरह के मुद्दे उठाए गए थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस पार्टी को एक विस्तृत जवाब दिया था, जिसकी प्रति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि राहुल गांधी इस अध्याय का पटाक्षेप नहीं चाहते हैं। उनकी पार्टी इस मामले को जिंदा रखना चाहती है ताकि आगे के चुनाव नतीजों को सुविधा को हिसाब से संदिग्ध बनाया जा सके। चुनाव आयोग ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह किसी भी राजनीतिक दबाव, मीडिया उन्माद या सार्वजनिक सनसनी से परे केवल संविधान और मतदाता के प्रति जवाबदेह है। इसलिए आज जरूरत है कि हम आलोचना करें लेकिन तथ्यों पर करें। सवाल उठाएं लेकिन समाधान के साथ और सबसे अहम कि लोकतंत्र की मजबूती, सतत निगरानी और निष्पक्षता बरकरार रखने के लिए बनायी गयी संस्थाओं का सम्मान बनाए रखें, ताकि आमजन की लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं के प्रति आदर का भाव बना रहे।

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अनोखा मेल है कसौली

कसौली की स्थापना 1842 में ब्रिटिश राज के दौरान एक सैन्य छावनी के रूप में हुई थी। यहाँ आज भी कई ब्रिटिश-युग की इमारतें और चर्च मौजूद हैं, जो इसके इतिहास को जीवंत बनाए रखते हैं। साथ ही, यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और साफ-सुथरी जलवायु इसे एक बेहतरीन हिल स्टेशन बनाती है।इ हिमाचल प्रदेश के सोलन ज़िले में स्थित कसौली एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक और शांत पहाड़ी स्थल है। समुद्र तल से लगभग 1,900 मीटर की ऊँचाई पर बसा कसौली अपनी हरियाली, शांत वातावरण, औपनिवेशिक इमारतों और मनोरम दृश्यों के लिए जाना जाता है। यह एक आदर्श स्थान है उन लोगों के लिए जो भीड़भाड़ और शोरगुल से दूर कुछ सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

कसौली का इतिहास और विशेषता

कसौली की स्थापना 1842 में ब्रिटिश राज के दौरान एक सैन्य छावनी के रूप में हुई थी। यहाँ आज भी कई ब्रिटिश-युग की इमारतें और चर्च मौजूद हैं, जो इसके इतिहास को जीवंत बनाए रखते हैं। साथ ही, यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और साफ-सुथरी जलवायु इसे एक बेहतरीन हिल स्टेशन बनाती है।

इसे भी पढ़ें- ञ्जह्ड्ड1द्दद्य ञ्जद्बश्चह्य- लैंसडाउन के पास मौजूद खूबसूरत जगह घूमने के लिए है बेस्ट, आप भी करें एक्सप्लोर

प्रमुख आकर्षण

1. मंकी पॉइंट (Monkey Point)

कसौली का सबसे ऊँचा स्थान मंकी पॉइंट है, जहाँ से सतलुज नदी, चंडीगढ़ और शिमला के दृश्य साफ दिखाई देते हैं। यहाँ एक छोटा हनुमान मंदिर भी है, जो धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य दोनों के लिए प्रसिद्ध है।

2. गिल्बर्ट ट्रेल

प्राकृतिक प्रेमियों और वॉकिंग के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। यह पगडंडी देवदार और ओक के पेड़ों के बीच से गुजरती है और यहां की शांति आत्मा को सुकून देती है।3. क्राइस्ट चर्च

1853 में बना यह चर्च कसौली की सबसे पुरानी इमारतों में से एक है। इसकी गोथिक शैली की वास्तुकला और रंगीन कांच की खिड़कियाँ देखने लायक हैं।

4. सनसेट पॉइंट

शाम के समय यहाँ से सूर्यास्त का दृश्य अत्यंत मनमोहक होता है। पहाड़ियों के बीच सूरज को डूबते हुए देखना एक अविस्मरणीय अनुभव है।

5. कसौली ब्रुअरी

यह एशिया की सबसे पुरानी डिस्टिलरी मानी जाती है, जो अब भी संचालित हो रही है। यह ब्रिटिश काल की विरासत को संजोए हुए है। कसौली में करने योग्य गतिविधियाँ - प्राकृतिक ट्रेल्स पर वॉकिंग और ट्रेकिंग - स्थानीय बाजारों में शॉपिंग (हस्तशिल्प, ऊनी वस्त्र, जैम आदि) - फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग - चर्चों और औपनिवेशिक इमारतों की खोज, - शांत वातावरण में ध्यान और योग यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडक का आनंद लेने के लिए उपयुक्त। सितंबर से नवंबर- साफ आसमान और हरियाली देखने के लिए। दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए बेहतरीन समय।

कैसे पहुँचे कसौली?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा चंडीगढ़ (लगभग 60 किमी) है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन कालका (लगभग 25 किमी) है, जहाँ से टैक्सी या बस ली जा सकती है।सड़क मार्ग- चंडीगढ़, शिमला, दिल्ली से सीधी बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।कसौली एक ऐसा पर्यटन स्थल है जहाँ प्रकृति की गोद में शांति, सौंदर्य और इतिहास का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यह उन लोगों के लिए आदर्श स्थान है जो जीवन की दौड़-भाग से दूर कुछ पल सुकून और ताजगी के साथ बिताना चाहते हैं।

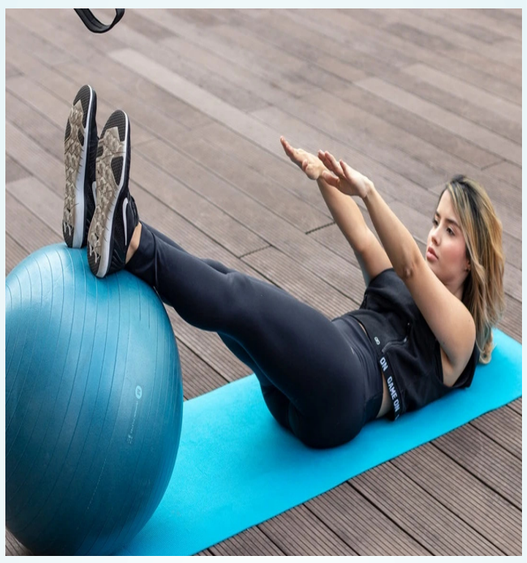

वेट लॉस जर्नी पर पाना चाहते हैं बेस्ट रिजल्ट तो जानिए कौन सा वर्कआउट है ज्यादा असरदार

अगर आप कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न करना चाहते हैं, तो आप हाई इंटेसिटी इंटरवल ट्रेनिंग कर सकते हैं। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि हाई इंटेसिटी इंटरवल ट्रेनिंग और जुम्बा में से वेट लॉस के लिए क्या ज्यादा बेहतर है। आज के समय में मोटापा एक बड़ी समस्या बनकर उभरा है। लोग अक्सर बढ़े हुए वजन को लेकर परेशान रहते हैं और वेट लॉस के लिए कई तरीके अपनाते हैं। वेट लॉस के लिए वर्कआउट करना भी अच्छा माना जाता है। इन्हीं वर्कआउट में हाई इंटेसिटी इंटरवल ट्रेनिंग और जुम्बा आदि भी शामिल है। लेकिन लोग इस उलझन में रहते हैं कि इनमें से कौन का वर्कआउट ज्यादा अच्छा रहता है। हालांकि इस बात में कोई शक नहीं है कि हाई इंटेसिटी इंटरवल ट्रेनिंग और जुम्बा दोनों ही बेहतरीन वर्कआउट होते हैं। अगर आप अपने वर्कआउट को मस्ती भरे अंदाज में करना चाहते हैं, तो आपको जुम्बा करना चाहिए। लेकिन अगर आप कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न करना चाहते हैं, तो आप हाई इंटेसिटी इंटरवल ट्रेनिंग कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि हाई इंटेसिटी इंटरवल ट्रेनिंग और जुम्बा में से वेट लॉस के लिए क्या ज्यादा बेहतर है।

सेक्शुअल रिलेशन के दौरान नहीं करनी चाहिए ये गलतियां, वरना बढ़ सकता है यूटीआई का खतरा

जुम्बा और हाई इंटेसिटी इंटरवल ट्रेनिंग में अंतर

बता दें कि जुम्बा और हाई इंटेसिटी इंटरवल ट्रेनिंग दोनों ही कैलोरी को बर्न करने का बेहतर तरीका होता है। लेकिन फिर भी इन दोनों में कुछ अंतर होता है। जुंबा एक डांस वर्कआउट है, जिसमें स्टेप्स और कार्डियो मिक्स होता है। जुम्बा करने के दौरान फुल बॉडी मूवमेंट होता है। वहीं हाई इंटेसिटी इंटरवल ट्रेनिंग में इंटेंस एक्सरसाइज की जाती है और छोटे-छोटे ब्रेक्स लिए जाते हैं। जैसे अगर 30 सेकेंड जंप स्क्वाट्स करते हैं, तो 10 सेकेंड का ब्रेक लिया जाता है और फिर से एक्सरसाइज दोहराई जाती है।

वेट लॉस में जुम्बा कैसे फायदेमंद

वहीं वेट लॉस के लिए जुम्बा भी काफी फायदेमंद माना जाता है। यह एक फन एक्टिविटी है और इसको वर्कआउट के रूप में करना बोरिंग नहीं होता है। इसमें कार्डियो भी शामिल किया जाता है और इसको करने से वेट लॉस भी होता है। अगर आप रोजाना 45 मिनट जुम्बा सेशन करते हैं, तो आप 300-600 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं। हाई इंटेसिटी इंटरवल ट्रेनिंग वेट लॉस में किस तरह सहायक हाई इंटेसिटी इंटरवल ट्रेनिंग करने पर आप कम समय में ज्यादा से ज्यादा कैलोरी बर्न कर पाते हैं।

बदलते मौसम में बच्चे होने लगे हैं बीमार तो ट्राई करें ये घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। भारत के कई राज्यों में मानसून ने दस्तक दे दी है। मानसूम शुरू होने के साथ ही सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी और ठंड लगने जैसी मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। वहीं इस मौसम से बच्चे और बुजुर्ग थोड़ा जल्दी प्रभावित होते हैं। इसलिए इस मौसम में बच्चों और बुजुर्ग को स्वस्थ रखना कई बार एक बड़ी चुनौती बन जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

यहां जानिए सर्दी-जुकाम या बुखार का घरेलू इलाज

एक्सपर्ट के मुताबिक सर्दी-जुकाम या बुखार से राहत पाने के लिए बच्चों को हल्दी वाला दूध का सेवन बड़ा असरदार माना जाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जोकि इंफेक्शन से लड़ने और गले की खराश में राहत देने का काम करते हैं। इसलिए सोने से पहले गुनगुने दूध में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर बच्चे को पिला दें।

एल्युमीनियम के बर्तन में भूलकर भी नहीं गर्म करनी चाहिए ये चीजें, स्वास्थ्य को हो सकता है नुकसान

गुनगुना पानी

सर्दी-जुकाम या बुखार होने पर बच्चों को ठंडी चीजें नहीं देनी चाहिए। बल्कि बच्चे को पीने के लिए गुनगुना या हल्का गर्म पानी देना चाहिए। इससे गले की खराश और सूजन की समस्या कम हो सकती है।

अदरक, तुलसी और शहद का काढ़ा

गले की खराश, खांसी या बुखार आदि में आप बच्चे को तुलसी के पत्ते, अदरक, काली मिर्च और शहद का काढ़ा बनाकर दे सकते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। हालांकि एक साल से छोटे बच्चे को यह काढ़ा नहीं देना चाहिए।

चेहरे के अनचाहे बालों की ग्रोथ होगी कम, बार-बार पार्लर जाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

परेशानी तब बढ़ जाती है, जब बालों की ग्रोथ आम से बहुत ज्यादा हो जाती है। अगर आपकी फेशियल हेयर ग्रोथ आम से ज्यादा है, तो आपको जरूर जानना चाहिए कि चेहरे पर बाल क्यों आते हैं। साथ ही फेशियल हेयर ग्रोथ को कम करने के लिए क्या किया जा सकता है। फेस पर अनचाहे बाल निकलने की समस्या काफी आम होती है। फेशियल हेयर ग्रोथ होने पर महिलाएं आमतौर पर वैक्सिंग, थ्रेडिंग और हेयर रिमूवल क्रीम का सहारा लेती हैं। इनसे हेयर जड़ से निकल जाते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि फेशियल हेयर वापस नहीं आएंगे। 3-4 दिनों के अंदर यह हेयर फिर से आने लगते हैं। यह एक नेचुरल प्रोसेस होता है, जोकि हर महिला के साथ होता है। लेकिन परेशानी तब बढ़ जाती है, जब बालों की ग्रोथ आम से बहुत ज्यादा हो जाती है। अगर आपकी फेशियल हेयर ग्रोथ आम से ज्यादा है, तो आपको जरूर जानना चाहिए कि चेहरे पर बाल क्यों आते हैं। साथ ही फेशियल हेयर ग्रोथ को कम करने के लिए क्या किया जा सकता है। प्लंजिंग नेकलाइन आउटफिट स्टाइल करते समय इन बातों का रखें ध्यान, दिखेंगी क्लासी और खूबसूरत

फेस पर क्यों निकलते हैं ज्यादा बाल

फेस पर अधिक बाल निकलने के पीछे कई वजहें हो सकती हैं। लेकिन जो मुख्य कारण है, वह हार्मोनल बदलाव है। शरीर में एंड्रोजन लेवल हाई होने के कारण महिलाओं के होंठों और ठुड्डी के ऊपर ज्यादा बाल आते हैं। एंड्रोजन एक पुरुष सेक्स हार्मोन होता है, जोकि पुरुषों के विकास और रखरखाव में अहम भूमिका निभाता है। वहीं महिलाओं में इसके बढ़ने पर फेशियल हेयर बढ़ना परेशानी का सबब बन सकता है। तो आइए जानते हैं इससे बचाव के 2 बेहतरीन नुक्खे के बारे में...

चाय कम पिएं

अगर आपके फेस पर भी हेयर ग्रोथ काफी होती है, तो आपको एक ऐसी चाय पीना चाहिए, जिससे अनचाहे बालों की ग्रोथ कम हो सकती है। इस चाय का नाम एंटी-एंड्रोजन टी है। तो आइए जानते हैं इस चाय को किन चीजों से बनाया जाता है।

एंटी-एंड्रोजन चाय की सामग्री,मेथी दाना- 1 चम्मच, स्पियरमिंट टी बैग - 1, एक चुटकी दालचीनी, ऐसे बनाएं, एक जार में पानी और मेथी के बीज डालें। अब इस पानी में एक चुटकी दालचीनी मिलाएं। फिर इसको उबालकर एक कप में डालें। अब इसमें स्पीयरमिंट टी बैग डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। फिर रोजाना इस चाय का सेवन करें। यह आपके फेस से अनचाहे बातों की ग्रोथ को काफी हद तक कम करेगी।

स्किन को रखें मॉइश्चराइज

फेस के अनचाहे बालों को हटाने के लिए स्किन को मॉइस्चराइज रखना जरूरी होती है। ऐसे में आप पुदीने के तेल से स्किन को मॉइस्चराइज करें। इस मॉस्चराइज को बनाने में सिर्फ दो चीजों की जरूरत होगी।

सामग्री

पुदीने का तेल - 2 बूंदें , अपनी पसंद का कोई भी मॉइस्चराइजर, ऐसे बनाएं, पुदीने की दो बूंद तेल को डेली वाले मॉइस्चराइजर में मिलाएं। अब रोजाना सोने से पहले इसको अपने फेस पर अप्लाई करें। लगातार इस्तेमाल से आपको अच्छे रिजल्ट्स देखने को मिलेंगे।

फायदा

एंड्रोजन रिसेप्टर्स को ब्लॉक करने के लिए पुदीने का तेल अच्छा माना जाता है। यह फेस के बालों की ग्रोथ को भी कम करता है। इसको अप्लाई करने से स्किन सॉफ्ट और शाइनी बनती है। वहीं मॉइस्चराइजर से स्किन ड्राई नहीं होती है। यह स्किन में नमी बनाए रखता है, जिससे स्किन संबंधी कई समस्याओं से बचा जा सकता है।

दुश्मन से भी ज्यादा खतनाक होते हैं ऐसे लोग, जितना जल्दी हो सके कर करें इनसे किनारा

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, आपके आस-पास के लोग कई कारणों से आपकी शांति को भंग कर सकते हैं। हालाँकि आप सभी से दूर नहीं रह सकते, लेकिन कुछ ऐसे लोग हैं जिनसे आपको खुद को दूर रखना चाहिए अगर आप अपने जीवन में शांति चाहते हैं। हर कोई अपने जीवन में शांति चाहता है, लेकिन आप में से कितने लोगों के पास वास्तव में शांति है? यह एक सरल प्रश्न है, लेकिन इसका उत्तर देना सबसे कठिन भी है, है न? लोगों के शांतिपूर्ण न होने के कई कारण हैं। यह काम का तनाव, पारिवारिक समस्याएँ या अन्य मुद्दे हो सकते हैं। लेकिन एक और कारण है जो आपको परेशान कर सकता है, भले ही यह आवश्यक न हो। वह क्या है? आपके आस-पास के लोग। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, आपके आस-पास के लोग कई कारणों से आपकी शांति को भंग कर सकते हैं। हालाँकि आप सभी से दूर नहीं रह सकते, लेकिन कुछ ऐसे लोग हैं जिनसे आपको खुद को दूर रखना चाहिए अगर आप अपने जीवन में शांति चाहते हैं। आइए जानें कि आपको किस तरह के लोगों से दूर रहना चाहिए।अच्छे फिजिकल रिलेशनशिप के लिए अपनी इन यौन अपेक्षाओं को बेडरूम के बाहर रखें जो बात ज्यादा, काम कम करते हैं- आपके पास बहुत से ऐसे लोग मौजूद होंगे, जो बातें तो बड़ी-बड़ी करते हैं, लेकिन जब काम करने की बारी आती है तो उनसे कुछ नहीं होता है। उदाहरण के लिए- आपसे किसी ने कहा कि जब जरूरत पड़े तो मुझे बस एक बार कॉल करना और जरूरत पर जब आप उनके पास कॉल करते हैं तो वह जवाब नहीं देते हैं। ऐसे लोगों से दूर रहने में भलाई है क्योंकि इन्हें भरोसा तोड़ने की आदत होती है। *वो लोग, जो अपनी सुविधा के हिसाब से आपकी जिंदगी में बने रहते हैं- मतलबी दुनिया के मतलबी लोग, जो सिर्फ अपनी सुविधा के हिसाब से आपकी जिंदगी का हिस्सा बने रहते हैं। ऐसे लोग एक पल आपकी बहुत कदर करते दिखाई देते हैं या फिर मुसीबत में आगे रहकर आपकी मदद करते हैं, लेकिन अगले ही पल ये अपनी जिंदगी में व्यस्त हो जाते हैं और आपको आपके हाल पर छोड़ देते हैं। इनके पास आपको देने के लिए एक मिनट का समय नहीं होता है। अगर आपके आस पास कोई ऐसे पैटर्न वाले लोग हैं तो तुरंत उनसे किनारा कर लें।*

मुश्किल ब्रेकअप के बाद फिर से डेटिंग की दुनिया में वापसी कैसे करें?

दूसरों के बारे में हमेशा बुरा और गंदा बोलने वाले लोग- बहुत से लोगों ने नकारात्मकता फैलाने को अपना काम बनाया हुआ है। ऐसे लोग हर किसी की बुराई करते नजर आ जाते हैं। ये लोग पहले अच्छा बनकर किसी दुख पूछते हैं और फिर दूसरे लोगों के सामने उसका मजाक उड़ाते हैं। ऐसे लोग एक झलक में दोस्त लग सकते हैं, लेकिन ये दुश्मन से भी ज्यादा बुरे होते हैं। इसलिए आपके सामने किसी की कोई बुराई कर रहा है तो उस इंसान से दूरी बनाने में ही आपकी भलाई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का ग्राम दंदरौआ हेलीपेड पर हुआ आत्मीय स्वागत

मंत्री, सांसद, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर अगवानी की

नगर संवाददाता

भिण्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को हैलीकॉप्टर द्वारा पृथ्वीपुर से ग्राम दंदरौआ जिला भिण्ड आए। दंदरौआ हेलीपेड पर नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, सांसद संध्या राय, विधायक भिण्ड नरेन्द्र सिंह कुशवाह, विधायक लहार अम्बरीश शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष कामना सिंह भदौरिया, पूर्वमंत्री लालसिंह आर्य, पूर्वमंत्री ओपीएस भदौरिया और अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका आत्मीय स्वागत कर अगवानी की।

मछण्ड चौकी में हुआ विदाई समारोह का आयोजन

नगर संवाददाता

भिण्ड। रौन थाना क्षेत्र में मछण्ड पुलिस चौकी पर पदस्थ तीन पुलिस कर्मियों प्रधान आरक्षक मदनमोहन शर्मा एवं आरक्षक जसविंदर सिंह (जस्सी भाई), चंचल मिश्रा का ट्रांसफर अन्य पुलिस थानों में हो जाने के बाद विगत दिवस चौकी परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें चौकी प्रभारी रविन्द्र सिंह तोमर ने स्थानांतरित सभी पुलिसकर्मियों को शाल-श्रीफल से सम्मानित किया। कार्यक्रम में चौकी प्रभारी रविन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि मुझे विश्वास है कि आप लोग जहां भी रहेंगे अच्छा कार्य करेंगे और अधिकारियों की कसौटी पर खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप अपनी मेहनत और लगन से आमजनों का विश्वास जीतेंगे। इसी क्रम में एएसआई आरडी चौधरी ने कहा कि ट्रांसफर हुए सभी साथियों का मुझे भरपूर सहयोग मिला। हम सभी लोग एक परिवार की तरह चौकी पर रहते थे। इन लोगों के जाने से मन व्यथित हो रहा है। विदाई समारोह में चौकी परिसर पर पुलिस बल के अलावा ग्रामीण जन मौजूद रहे।

जान से मारने की नियत से हमला करने वाला आरोपी दबोचा

आरोपी सात माह से चल रहा था फरार

नगर संवाददाता

भिण्ड। दबोह थाना पुलिस ने जान से मारने की नियत से हमला करने वाले सात माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।दबोह थाना प्रभारी थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश शर्मा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार दिनांक चार दिसम्बर 2024 को पीड़ित के भतीजे फरियादी अभिषेक सिंह कौरव पिता रणबीर सिंह कौरव उम्र 28 साल निवासी ग्राम मारपुरा ने थाना दबोह पर आकर आरोपीगणों के द्वारा लाठी डंण्डे व लोहे की सब्बल से मारपीट करने की रिपोर्ट की थी। उक्त रिपोर्ट पर आरोपीगणों के विरुद्ध थाना दबोह पर अपराध क्रमांक 228/24, धारा 296, 115(2), 118(1), 351(3), 3(5) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दौराने विवेचना पीड़ित अरविंद कौरव के एम.एल.सी. रिपोर्ट में एवं एक्स-रे रिपोर्ट में फैक्चर आने से अपराध सदर में आरोपीगणों के विरुद्ध धारा 109(1) बीएनएस इजाफा की गई।मामले में पिछले सात माह से फरार चल रहे आरोपी महेन्द्र सिंह कौरव उर्फ टुन्नाई कौरव को शुक्रवार को नहर के पास कोठी वाले खेत ग्राम मारपुरा में गिरफ्तार कर पूछताछ की। उसने जुर्म करना स्वीकार किया आरोपी से घटना में प्रयुक्त लाठी जप्त की गई। गिरफ्तारशुदा आरोपी को न्यायालय लहार में पेश किया गया। मामले के अन्य दो आरोपियों को क्रमशः 28 जनवरी 25 को आरोपी सागर कौरव निवासी मारपुरा को, दिनांक 18.03.25 को आरोपी गजेन्द्र सिंह उर्फ छोटेराजा कौरव निवासी मारपुरा को गिरफ्तार किया जाकर घटना में प्रयुक्त आरोपी सागर से लोहे की सब्बल एवं आरोपी गजेन्द्र उर्फ छोटे राजा से डण्डा जप्त कर आरोपीगणों को जेल भेजा गया जा चुका है।

प्रताड़ित करने पर डिप्रेशन में जाने से हुई थी युवती की मौत

जांच के बाद तीन ससुरालीजनों के विरुद्ध दहेज हत्या का मामला दर्ज

नगर संवाददाता

भिण्ड। जिला चिकित्सालय भिण्ड में एक माह पूर्व बीमार युवती की मौत के मामले में पुलिस ने जांच के बाद उसके पति सहित तीन सुरालीजनों के विरुद्ध जांच के उपरांत धारा 80, 85, 3(5) बीएनएस, 3/4 दहेज एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।सीएसपी निरंजन राजपूत ने जानकारी देते हुए बताया कि मोहनी पत्नी प्रजापति अजय उम्र 22 साल निवासी वार्ड क्र.30 सुभाष नगर, प्राथमिक विद्यालय के सामने वाली गली भिण्ड की जिला चिकित्साल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। जिस पर मर्ग क्र.24/25 धारा 194 बीएनएसएस दर्ज कर जांच में लिया गया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतिका को उसके पति, सास एवं ससुर दहेज में सोने की चौन व दो लाख रुपए लाने के लिए प्रताडित करते थे, जिसके कारण उसकी मानसिक स्थिति खराब हो गई और डिप्रेशन में जाने से जीबीएस बीमारी (लकवाग्रस्त) होने से उसकी मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने जांच के उपरांत उसके पति अजय प्रजापति, ससुर अशोक प्रजापति एवं सास कण्ठश्री प्रजापति के विरुद्ध दहेज हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

315 बोर की अधिया लेकर घूम रहा आरोपी गिरफ्तार

नगर संवाददाता

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव के निर्देशन में जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत मौ थाना पुलिस ने गल्ला मण्डी मौ में अवैध हथियार सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक मुखबिर द्वारा मौ थाना प्रभारी निरीक्षक रघुवीर सिह मीणा को शुक्रवार की शाम सूचना प्राप्त हुई की एक व्यक्ति गल्ला मण्डी के ग्राउण्ड कस्बा मौ में अवैध हथियार लेकर बारदात करने की नियत से खड़ा है। तस्दीक हेतु मुखबिर के बताये गये स्थान गल्ला मण्डी के ग्राउण्ड में पहुंचे तो एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा, जिसे घेराबन्दी करके पकड़ा गया। आरोपी ने अपना नाम केशव पुत्र रामसिंह जाटव उम्र 28 वर्ष निवासी खेरी का पुरा मखोरी बताया। तलाशी के दौरान उसकी कमर में बायी तरफ एक 315 बोर की अधिया खुरसे मिला तथा दाहिने जेब में 315 बोर के दो जिन्दा राउण्ड रखे मिला। पुलिस ने मौके पर विधिवत जप्त कर जप्ती पत्रक तैयार कर मौके पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 142/2025 धारा 25/27 आर्म्स एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया।

करंट लगने से एक किसान की मौत, एक घायल

नगर संवाददाता

मौ। ग्राम गुमारा में आज खेत पर काम कर रहे एक किसान रामू पुत्र अहिवरन सिंह गुर्जर उम्र 40वर्ष निवासी गुमारा की बिजली का करंट लग जाने से घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई है। दूसरा किसान भी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए ग्वालियर ले जाया गया है, जहां उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। घटना के संबंध में बताया गया है कि उक्त किसान अपने खेत से कंटीले तारों से ट्रैक्टर निकाल रहा था। कंटीले तारों पर बिजली का तार टूट कर गिर गया था, जिससे कंटीले तारों में भी करंट आ गया, जो रामू को लग गया उसे बचाने गया दूसरा किसान भी गंभीर रूप से घायल हो गया, उसे तत्काल ग्वालियर ले जाया गया है।

मैं जनसेवक बनकर जनता की सेवा करूंगा : विधायक कुशवाहा

विधायक ने वार्ड क्रमांक 21 और 19 में 77 लाख की लागत से रोड का किया लोकार्पण

नगर संवाददाता

भिण्ड। भिण्ड विधानसभा क्षेत्र के विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने वार्ड क्रमांक 21 एवं 19 में 77 लाख की कीमत से बनने वाले सीसी रोड का लोकार्पण करते हुए विशेष सौगात जनता को समर्पित की। इस अवसर पर कहा कि विधायक कुशवाह ने कहा कि वार्ड में आप सभी के सहयोग से 77 लाख की कीमत से बनी डम्बर रोड़ का मीरा कालोनी मरघट गेट रोड़ पर लोकार्पण किया जा रहा है। बहुत जल्दी ही शहर वासियों को नगर निगम एवं मेडिकल कॉलेज तथा गौरी सरोवर के जीर्णोद्धार विकास के लिए कई योजनाओं की सौगात अति शीघ्र मिलने वाली है।उन्होंने कहा कि आपने मुझे विधायक नहीं जनसेवा करने की जिम्मेदारी सौंप है। मैं विश्वास के साथ आपके बीच विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा। मैंने राजनीति को व्यवसाय नहीं जनसेवा का माध्यम बनाया है। उन्होंने कहा कि गौरी सरोवर का जीवन उधर और विकास को पर्यटन स्थल के रूप में जोड़ेंगे। मेडिकल कॉलेज नगर पालिका से नगर निगम, सीवर लाइन प्रोजेक्ट एवं विकास के अन्य महत्वपूर्ण काम के प्रगति पर है और बहुत जल्दी मेडिकल कॉलेज और नगर निगम का भूमि पूजन भी किया जाएगा। कार्यक्रम में सीएमओ यशवंत वर्मा, उपाध्यक्ष भानू भदौरिया, सुनील वाल्मीक, बड़े कुशवाह, अमित सोनी, दशरथ भदौरिया, अलीमुद्दीन काज,ी सौरभ सिंह, मनोज राजावत, रामोतार गोयल सहित वार्डवासी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री का हुआ अभूतपूर्व स्वागत, रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

अपने मुख्यमंत्री की एक झलक पाने के लिए आतुर नजर आए लोग

नगर संवाददाता

भिण्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भिण्ड जिले की तहसील मेहगांव के ग्राम दंदरौआ में आगमन के उपरांत रोड शो हुआ। हेलीपैड से डॉक्टर हनुमान मन्दिर तक आयोजित रोड शो के दौरान नागरिकों ने स्नेह से पुष्पवर्षा कर एवं फूलमाला पहनाकर प्रदेश के मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। सीएम ने कार्यक्रम स्थल पर आने से पहले दंदरौआ हनुमानजी की पूजा अर्चना की।
दंदरौआ धाम में आयोजित किसान एवं रोजगार सम्मेलन से पूर्व आयोजित रोड शो के दौरान जिले के नागरिकों में अभूतपूर्व उत्साह देखा गया। हेलीपैड से मंदिर तक लगभग एक किमी के मार्ग पर लोगों ने कतारबद्ध होकर अपने प्रिय मुख्यमंत्री पर पुष्पवर्षा की एवं पुष्पमाला पहनाई। हर कोई अपने प्रिय मुख्यमंत्री की एक झलक पाने के लिए आतुर नजर आया। जनता अपने प्रिय मुख्यमंत्री को अपने समीप देख आनंद से आल्हादित हो गई। रथ पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, विधायक भिण्ड नरेन्द्र सिंह कुशवाह सहित अन्य जनप्रतिनिधि सवार रहे।

दो घण्टे की बारिश ने खोल दी नगर परिषद की पोल

स्थाई सीएमओ न होने के कारण बिगड़ी नगर की व्यवस्थाएं

नगर संवाददाता

दबोह। शनिवार को मौसम की पहली बारिश ने समूचे नगर को पानी-पानी कर दिया। जिसके चलते भिण्ड-भाण्डेर रोड, मुख्य बाजार, हाईस्कूल परिसर, कोंच रोड के साथ नगर की निचली बस्तियां भी जलमगन हो गई हैं। सरकारी नियम के तहत बरसात शुरू होने के पहले ही स्थानीय प्रशासन को नगर में विशेष सफाई अभियान चलाकर नालों व नालियो की सफाई कराना आवश्यक होता है, पर दबोह नगर परिषद के द्वारा नगर में कोई सफाई कार्य नही कराया गया है। जिसके चलते शनिवार को केवल 2 घण्टे की बारिश ने नगर में बाढ़ जैसे हालत पैदा कर दिए थे। जबकि नगर परिषद में चालीस सफाई कर्मचारियों के अलावा पर्याप्त संसाधन मौजूद है।यहां बता दें कि दबोह नगर परिषद में करीब एक माह से कोई सीएमओ न होने से परिषद के कर्मचारी भी अपने मन मर्जी से काम करते है। यह तो सिर्फ 2 घण्टे की बारिश से यह हाल हुआ यदि आने वाले समय में बारिश ने अपना रौद्र रूप दिखाया तो नगर में हालत वद से वदतर हो सकते हैं। फिलहाल निचली बस्तियों में निवासरत लोगों के माथे पर चिंता की लकीरें देखी जा सकती हैं। मजे की बात तो यह है कि एक महीने से नगर परिषद बिना अधिकारी के चल रही है, जिसकी चिंता न तो किसी वरिष्ठ अधिकारी को है और न ही किसी सत्ताधारी नेता को, इस समय दबोह बहुत ही दयनीय स्थिति से गुजर रहा है।

बीते वर्ष भी बारिश से लबालब हुआ था दबोह

बीते वर्ष भी दबोह नगर में भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए थे। जिससे काफी समय बाद नगर परिषद ने काबू पा पाया था। उसी जैसे हालात इस बार फिर शनिवार को नगर में कुछ ही घण्टों की बारिश में देखने को मिला।

वित्तीय प्रभार न होने से बिगड़ी व्यवस्थाएं

नगर परिषद में सीएमओ जाने के बाद चार्ज पर रहे नारायण सिंह बाबू का कहना है कि वित्तीय प्रभार न होने के कारण बहुत से कार्य रुके हुए हैं, साथ ही नगर परिषद में कार्यरत कर्मचारी भी आदेश का पालन नही करते हैं, जिससे स्तिथि खराब है। ज्ञात रहे कि नगर परिषद दबोह में रहे सीएमओ प्रमोद बरुआ 31 मई को रिलीव हो चुके थे, जिसके बाद से जिम्मेदारी नगर परिषद में पदस्थ बाबू जी के पास है। फिलहाल तो 28 दिन से दबोह नगर परिषद बिना सीएमओ के चल रही है और वरिष्ठ अधिकारियों के कान में अब तक जूं तक न रेंग रही।

सभी मिलकर करें शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर : एसडीएम

लहार एसडीएम ने ली बीईओ, बीआरसी, बीएसी, सीएसी रौन की बैठक

नगर संवाददाता

भिण्ड। एसडीएम लहार विजय सिंह यादव ने शनिवार को स्कूली शिक्षा व्यवस्था के असंतोषजनक स्तर को देखते हुए उसे बेहतर बनाने हेतु हेतु शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मिहोना में शिक्षा विभाग की बैठक ली, जिसमें विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा, बीआरसी पीएस तोमर, कुल सात संकुल प्राचार्य, तीन बीएससी एवं छह सीएससी उपस्थित रहे। एसडीएम विजय यादव ने नवीन शैक्षणिक सत्र, शालाओं का विधिवत संचालन, शिक्षकों उपस्थिति, बच्चों की उपस्थिति, नामांकन 3.0 पोर्टल, पाठ्य पुस्तकों का वितरण, मध्यान भोजन योजना का संचालन एवं खाद्यान्न उठाव व शालाओं का प्रभावी निरीक्षण तथा छात्रवृत्ति एवं खाता अपडेशन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए सभी संकुल प्राचार्यों को निर्देशित किया कि उनके निर्धारित भ्रमण 15 से 20 मासिक होते हैं एवं सीएसी के 15 भ्रमण निर्धारित हैं। अतः सभी संकुल प्राचार्य एवं सीएससी स्कूलों का प्रभावी भ्रमण सुनिश्चित करेंगे एवं लापरवाह शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई करेंगे। नाहीं केवल भ्रमण करेंगे बल्कि स्कूलों में जाकर कक्षाएं लेंगे।

बेहतर होना चाहिए प्रयोगशाला

एसडीएम विजय यादव ने सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया कि वह सुनिश्चित करेंगे कि हाईस्कूल एवं कक्षा 11वीं एवं 12वीं में प्रयोगशालाएं अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान निभाती हैं, शासन द्वारा उपलब्ध बजट से प्रयोगशालाओं के आवश्यक उपकरणों को एवं अन्य सामग्रियों को खरीद कर प्रयोगशालाओं का बेहतर संचालन सुनिश्चित हो, यही वह जगह है जहां से बालक-बालिकाओं में वैज्ञानिक क्षमताओं का विकास होता है।

छात्रों को पाठ्यक्रम पूरा कराएं

एसडीएम ने बताया कि वह सतत रूप से स्कूलों का निरीक्षण करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि विद्यालय में नहीं केवल शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित हो, बल्कि वह शासन की आदेशानुसार निर्धारित समय बच्चों का पाठ्यक्रम पूरा करावें एवं बेहतर शिक्षा गुणवत्ता को बढ़ाना हमारा प्रथम लक्ष्य है। लापरवाह शिक्षक, शिक्षिकाओं पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड जीत के साथ शीर्ष पर, भारत अंक तालिका में बांग्लादेश से भी नीचे

खेल एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ने अभी तक इस चक्र में अपने-अपने अभियान की शुरुआत नहीं की है। पाकिस्तान और विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका अपने 2025-27 डब्ल्यूटीसी चक्र की शुरुआत अक्तूबर में दो मैचों की टेस्ट सीरीज से करेंगे। ऑस्ट्रेलिया की वेस्टइंडीज पर और श्रीलंका की बांग्लादेश पर जीत के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंक तालिका में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। यह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इस चक्र की शुरुआत ही है, लेकिन फाइनल में पहुंचने के लिए जंग देखने को मिल रही है। ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को वेस्टइंडीज को 159 रन से हराकर 12 अंक हासिल किए, जबकि श्रीलंका ने बांग्लादेश को पारी और 78 रन से हराकर 12 अंक हासिल किए। ऑस्ट्रेलिया का यह इस चक्र में पहला मैच था। इस वजह से टीम के 12 अंक और 100 अंक प्रतिशत हैं। टीम शीर्ष पर पहुंच गई है। वहीं, इंग्लैंड की टीम 100 अंक प्रतिशत और 12 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। इंग्लैंड ने इसी हफ्ते भारत को पांच विकेट से शिकस्त दी थी।

वहीं, श्रीलंका की टीम ने बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट में हराया। दोनों के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था। ड्रॉ से दोनों टीमों को चार-चार अंक मिले थे। ऐसे में जीत के बाद 12 अंक मिलने पर श्रीलंका के कुल 16 अंक हो गए हैं, जबकि उनका अंक प्रतिशत 66.67 है। बांग्लादेश के चार अंक हैं और 16.67 अंक प्रतिशत है। टीम चौथे स्थान पर है। वहीं, भारत ने एक टेस्ट खेला है और उसमें हार मिली। इसलिए न तो भारत के कोई अंक हैं और न ही अंक प्रतिशत। भारतीय टीम फिलहाल पांचवें स्थान पर है। यही हाल वेस्टइंडीज के साथ है। उसने एक टेस्ट खेला है और उसमें हार मिली। विंडीज टीम भी बिना किसी अंक और अंक प्रतिशत के छठे स्थान पर है। न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ने अभी तक इस चक्र में अपने-अपने अभियान की शुरुआत नहीं की है। पाकिस्तान और विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका अपने 2025-27 डब्ल्यूटीसी चक्र की शुरुआत अक्तूबर में दो मैचों की टेस्ट सीरीज से करेंगे। वहीं, न्यूजीलैंड की टीम अपने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से करेगी। यह सीरीज नवंबर-दिसंबर में खेली जाएगी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र में सबसे ज्यादा 22 टेस्ट मैच खेलेगी। वहीं, इंग्लैंड की टीम 21 मैच खेलेगी। इसके बाद 18 मैचों के साथ भारत तीसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड को 16 और दक्षिण अफ्रीका-वेस्टइंडीज को 14-14 टेस्ट खेलने हैं। पाकिस्तान की टीम 13 और श्रीलंका-बांग्लादेश को 12-12 टेस्ट खेलने हैं। 2025-27 चक्र में प्रतिस्पर्धा करने वाले नौ देशों के बीच खेली जाने वाली 27 टेस्ट सीरीज में से 17 सीरीज में केवल दो मैच होंगे, जबकि तीन मैचों की छह सीरीज होंगी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 20 जून से हो चुकी है। इस सीरीज का आखिरी मुकाबला 31 जुलाई से खेला जाएगा। इसके बाद टीम इंडिया घर पर वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की सीरीज खेलेगी।

विजडम वॉरियर्स ने जीती चैंपियन की ट्रॉफी

अलीगढ़। विजेता टीम को कप के साथ 1.51 लाख रुपये पुरस्कार मिला। उप विजेता टीम को कप के साथ 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। दोनों टीमों को जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह, महापौर प्रशांत सिंघल और कोल विधायक अनिल पाराशर ने पुरस्कृत किया। अलीगढ़ में अमर उजाला प्रीमियर लीग के रोमांचकारी फाइनल में विजडम वॉरियर्स ने एवीपी फॉल्कन को चार विकेट से हराकर खिताब जीत लिया। जीत के साथ पटाखे छूटने लगे। आतिशबाजी से आकाश रंगीन हो गया। विजेता टीम को कप के साथ 1.51 लाख रुपये पुरस्कार मिला। उप विजेता टीम को कप के साथ 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। दोनों टीमों को जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह, महापौर प्रशांत सिंघल और कोल विधायक अनिल पाराशर ने पुरस्कृत किया। मैन ऑफ द टूर्नामेंट रहे अंकुर चौधरी को वीडा स्कूटर अलीगढ़ ऑटो सेंटर की ओर से दिया गया। आगरा रोड स्थित ईडन पार्क में खेले गए फाइनल मैच में विजडम वॉरियर्स के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। एवीपी फॉलकन ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 144 रन बनाए। सलामी बल्लेबाजों ने टीम को ठोस शुरुआत दी। चिराग शर्मा (39 रन) तेजी से रन बटोरे। पहला विकेट 2.6 ओवर में 28 रन के योग पर वसीम के रूप में गिर गया। वसीम ने आठ रन बनाए। विशाल चौधरी ने (47 रन) और चिराग ने टीम को संभाला। चिराग के आउट होते ही निरंतर अंतराल पर विकेट गिरते रहे। 10.4 ओवर में 69 रन के योग पर पांच विकेट गिर गए। वॉरियर्स की धारदार गेंदबाजी के आगे फॉल्कन की मध्यक्रम की बल्लेबाजी चरमरा गई।

महान टीमें क्षेत्ररक्षण में भी शानदार रहीं, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने भारत की फील्डिंग पर कसा तंज

खेल एजेंसी

बर्मिंघम। ऑस्ट्रेलिया के लिए 66 टेस्ट खेल चुके हैडिन ने कहा, हर दौर में हर महान टीमें फील्डिंग में भी शानदार रही हैं। शुभमन गिल को भी इस टीम में इसकी शुरूआत करनी चाहिए। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैड हैडिन का मानना है कि शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में खराब फील्डिंग की समस्या से उबरने के लिए अपने रवैये में बदलाव करना होगा। भारतीय क्षेत्ररक्षकों खासकर यशस्वी जायसवाल ने पहले टेस्ट में कई कैच टपकाए। भारत को बेन स्टोक्स की टीम ने पांच विकेट से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया के लिए 66 टेस्ट खेल चुके हैडिन ने कहा, हर दौर में हर महान टीमें फील्डिंग में भी शानदार रही हैं। शुभमन गिल को भी इस टीम में इसकी शुरूआत करनी चाहिए। इसके लिए रवैये में बदलाव की जरूरत है। आप अच्छी फील्डिंग करना चाहते हैं और हर समय प्रतिस्पर्धी रहना चाहते हैं, यह रवैये की बात है। हैडिन ने कहा कि आईपीएल में भी कैचिंग का स्तर बहुत खराब था। उन्होंने कहा, इस साल आईपीएल में कैचिंग बहुत ही लचर रही। हमने प्रतिभाशाली गेंदबाजों और बल्लेबाजों की बात की, लेकिन असल समस्या कैचिंग की थी। मैं इतना जरूर कहूंगा कि सर्वश्रेष्ठ फील्डिंग टीम बनने का तरीका तलाशना होगा क्योंकि प्रतिभा की कमी नहीं है।% हैडिन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 66 टेस्ट में 32.99 की औसत से 3266 रन बनाए। इसमें चार शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 126 वनडे में 31.53 की औसत से 3121 रन बनाए। वहीं, कंगारुओं के लिए 34 टी20 में उन्होंने 114.53 के स्ट्राइक रेट से 402 रन बनाए। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू 2001 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे से किया था। वहीं, आखिरी मैच उन्होंने जुलाई 2015 में खेला था। यह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच था। यशस्वी ने लीड्स टेस्ट में कुल चार कैच छोड़े थे। इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान उन्होंने प्लेयर ऑफ द मैच रहे बेन डकेट का कैच छोड़ा था। तब वह 97 रन पर थे। इसके बाद उन्होंने 149 रन की पारी खेली। इतना ही नहीं, पहली पारी में भी यशस्वी ने स्लिप में शतकवीर ओली पोप और हैरी ब्रूक के भी कैच छोड़े।

टीम हित में जरूरी, श्रीलंका से हार के बाद नजमुल हुसैन शांतो ने छोड़ी टेस्ट कप्तानी

खेल एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश की टीम इन दिनों श्रीलंका दौरे पर है। यहां दोनों टीमों के बीच हाल ही में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई, जिसका पहला मुकाबला श्रीलंका ड्रॉ पर समाप्त हुआ जबकि दूसरा मैच श्रीलंका ने पारी और 78 रन से जीत लिया। शनिवार को बांग्लादेश की 1-0 से टेस्ट सीरीज में हार के बाद शांतो ने कहा- मुझे एक घोषणा करनी है। मैं बांग्लादेश टेस्ट टीम की कप्तानी से हट रहा हूं। बांग्लादेश के टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज हारने के बाद यह फैसला लिया। शांतो ने कहा, मैं टेस्ट कप्तानी छोड़ रहा हूं। बांग्लादेश की टीम इन दिनों श्रीलंका दौरे पर है। यहां दोनों टीमों के बीच हाल ही में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई, जिसका पहला मुकाबला श्रीलंका ड्रॉ पर समाप्त हुआ जबकि दूसरा मैच श्रीलंका ने पारी और 78 रन से जीत लिया। शनिवार को बांग्लादेश की 1-0 से टेस्ट सीरीज में हार के बाद शांतो ने कहा- मुझे एक घोषणा करनी है। मैं बांग्लादेश टेस्ट टीम की कप्तानी से हट रहा हूं। मैं इस प्रारूप में कप्तान के रूप में बने रहना नहीं चाहता, और मैं सभी को एक स्पष्ट संदेश देना चाहता हूं- यह कोई व्यक्तिगत मामला नहीं है। यह पूरी तरह से टीम की बेहतरी के लिए है और मेरा मानना है कि इससे टीम को मदद मिलेगी। अगर क्रिकेट बोर्ड को लगता है कि वे तीन प्रारूपों में तीन कप्तानों के साथ बने रहेंगे, तो यह उनका निर्णय होगा।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शांतो को तीनों प्रारूपों में कप्तान नियुक्त किया था। हालांकि, साल की शुरुआत में उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। उनकी जगह लिट्टन दास को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया। अब शांतो ने टेस्ट टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी से भी इस्तीफा दे दिया है। वनडे टीम की कप्तानी पहले ही उनसे छीन ली गई थी। वनडे टीम की अगुआई का जिम्मा मेहदी हसन मिराज के कंधों पर है। शांतो ने आगे कहा- मैं बस यही उम्मीद करता हूं कि लोग इसे व्यक्तिगत मुद्दा न समझें या यह न सोचें कि मैंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि मुझे वनडे कप्तानी न मिलने पर बुरा लगा। मैं एक बार फिर स्पष्ट कर देना चाहता हूं यह टीम की बेहतरी के लिए है। इसमें कुछ भी व्यक्तिगत नहीं है। मैंने कुछ दिन पहले ही क्रिकेट संचालन विभाग को इसकी जानकारी दे दी है। शांतो के नेतृत्व में बांग्लादेश ने 14 में से चार टेस्ट मुकाबले जीते। उन्होंने नवंबर 2023 में सिलहट में न्यूजीलैंड को हराकर शुरुआत की और अगस्त 2024 में पाकिस्तान पर सीरीज जीत के साथ शीर्ष पर पहुंचे। श्रीलंका में शांतो टेस्ट मैच में दो शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी कप्तान बने। टीम की अगुआई के दौरान उनका औसत 36.24 रहा, जो उस समय से काफी बेहतर था जब वे सिर्फ टीम का हिस्सा थे (29.83)।

राइट-गैरी से द्रविड़-फ्लेचर तक..

पिछले 25 साल में इंग्लैंड में कौन सा भारतीय कोच रहा सबसे कामयाब?

खेल एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड में जीत के मामले में भारत के सबसे कामयाब कोच रवि शास्त्री रहे हैं। वह ही इंग्लैंड में सबसे ज्यादा मैचों में भारत के मुख्य कोच भी रह चुके हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला दो जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा। इसको लेकर दोनों टीमों ने तैयारी शुरू कर दी है। लीड्स में पहला टेस्ट पांच विकेट से जीतने के बाद इंग्लिश टीम आत्मविश्वास से भरी होगी, जबकि शुभमन गिल के नेतृत्व वाली युवा भारतीय टीम की नजर वापसी कर सीरीज को 1-1 से बराबर करने पर होगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर की देखरेख में टेस्ट में भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। टीम ने कई मौकों पर शानदार खेल दिखाया, लेकिन मैच नहीं निकाल पाई। बतौर कोच इंग्लैंड में अपने पहले ही मैच में उन्हें और टीम को हार का मुंह देखना पड़ा। हालांकि, उनके पास अभी इस रिकॉर्ड को सुधारने के लिए चार और टेस्ट हैं। इंग्लैंड में जीत के मामले में भारत के सबसे कामयाब कोच रवि शास्त्री रहे हैं। वह ही इंग्लैंड में सबसे ज्यादा मैचों में भारत के मुख्य कोच भी रह चुके हैं। भारत ने साल 2000 के बाद सबसे पहले 2002 में जॉन राइट की देखरेख में और सौरव गांगुली के नेतृत्व में इंग्लैंड का दौरा किया था। तब चार मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर रही थी। यानी जॉन राइट के कोच रहते भारत ने चार में से एक मैच जीता और एक में टीम को हार मिली। दो टेस्ट ड्रॉ रहे थे। इसके बाद टीम इंडिया ने 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में इंग्लैंड का दौरा किया। हालांकि, उस वक्त भारत का कोई कोच नहीं था और टीम को मैनेज चंदू बोर्डे कर रहे थे। बिना कोच के भारतीय टीम सीरीज जीतने में कामयाब रही थी। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज भारत ने 1-0 से अपने नाम की थी।

साल 2011 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी और गैरी कर्स्टन की कोचिंग में भारत ने इंग्लैंड का दौरा किया था। तब चार मैचों की सीरीज में भारत को 4-0 से शिकस्त मिली थी। यानी गुरू गैरी की देखरेख में भारत ने कोई मैच नहीं जीता और चारों के चारों मैच गंवाए। इसके बाद टीम इंडिया ने 2014 में धोनी की ही कप्तानी और डंकन फ्लेचर की कोचिंग में इंग्लैंड का दौरा किया। भारतीय टीम ने इस सीरीज की शुरुआत शानदार तरीके से की थी।

जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप का ड्रॉ जारी, भारत पूल बी में पाकिस्तान के साथ

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच के अध्यक्ष तैयब इकराम ने हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह और हॉकी इंडिया के महानिदेशक आरके श्रीवास्तव के साथ ड्रॉ समारोह में भाग लिया। मेजबान भारत को शनिवार को एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप के पूल बी में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया है जिसका आयोजन इस साल 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में किया जाएगा। टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ समारोह यहां एफआईएच मुख्यालय में आयोजित किया गया। इस चरण में पहली बार 24 टीमें भाग लेंगी। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच के अध्यक्ष तैयब इकराम ने हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह और हॉकी इंडिया के महानिदेशक आरके श्रीवास्तव के साथ ड्रॉ समारोह में भाग लिया। इकराम ने एक बयान में कहा, बहुत खुशी की बात है कि हम पहली बार 24 टीमों वाले एफआईएच जूनियर हॉकी विश्व कप की ओर यात्रा शुरू कर रहे हैं। यह उभरते देशों सहित सभी देशों के युवाओं को सशक्त बनाने की एफआईएच रणनीति का एक हिस्सा है और यह टूर्नामेंट इस दिशा में पहला कदम होगा। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ ने कहा, हॉकी की दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि हम 24 देशों की भागीदारी वाले पहले एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए पूल ड्रॉ कर रहे हैं। जर्मनी मौजूदा जूनियर पुरुष विश्व चैंपियन है जिसने 2023 चरण के फाइनल में फ्रांस को 2-1 से हराकर रिकॉर्ड सातवां खिताब जीता था।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ललित उपाध्याय बोले-

यूरोप जाने से पहले ही संन्यास के बारे में सोच लिया था..

खेल एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के लिए 183 मैचों में 67 गोल कर चुके ललित ने कहा, मैं खुश हूं कि हॉकी इंडिया ने काफी सम्मान और मौके दिए। टीम का अच्छा साथ रहा, लेकिन अब समय हो गया था। एफआईएच प्रो लीग के लिये यूरोप जाने से पहले ही मैं सोच रहा था कि अब छोड़ दूंगा, लेकिन घरेलू हॉकी और लीग खेलता रहूंगा। पहली बार हॉकी थामी तो मकसद बेरोजगार पिता और सिलाई करके घर चलाने वाली मां की मदद करना था, लेकिन दो ओलंपिक पदक जीतने वाले ललित उपाध्याय को खुशी है कि देश के लिये कुछ करने का जरिया यह खूबसूरत खेल बना। टोक्यो और पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य रहे अनुभवी मिडफील्डर ललित ने एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी से विदा ले ली। ललित ने खेल से संन्यास के बाद भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा, करीब 32 साल की उम्र हो गई है और मुझे लगा कि अब समय आ गया है कि विदा ले लेनी चाहिये । मैं यही चाहता था कि शिखर पर रहकर ही विदा लूं और लिगामेंट चोट के बावजूद मेरी फिटनेस और फॉर्म अच्छा रहा है। यह पूछने पर कि क्या उन पर संन्यास का दबाव था, उन्होंने कहा, यह फैसला मैने खुद लिया है। मैं खुद को खींचना नहीं चाहता था। मुझे हरमनप्रीत समेत कई लोगों ने रोका लेकिन मैने मन बना लिया था। मैं बनारसी फक्खड़ हूं और एक बार सोच लिया तो फिर सोच लिया। भारत के लिए 183 मैचों में 67 गोल कर चुके ललित ने कहा, मैं खुश हूं कि हॉकी इंडिया ने काफी सम्मान और मौके दिए। टीम का अच्छा साथ रहा, लेकिन अब समय हो गया था। एफआईएच प्रो लीग के लिये यूरोप जाने से पहले ही मैं सोच रहा था कि अब छोड़ दूंगा, लेकिन घरेलू हॉकी और लीग खेलता रहूंगा। प्रो लीग के यूरोप चरण में भारत को एकमात्र जीत बेल्जियम के खिलाफ आखिरी मैच में मिले और जीतकर सीधे विश्व कप के लिये क्वालिफाई करने का सपना भी टूट गया। ओलंपिक पदक, एशियाई खेल 2022 में स्वर्ण पदक और 2022 राष्ट्रमंडल खेल रजत समेत कई उपलब्धियां अर्जित कर चुके ललित ने कहा कि जब उन्होंने शुरूआत की तब एकमात्र लक्ष्य अपनी मां की घर चलाने में मदद करना था। उन्होंने कहा, परिवार की स्थिति बहुत खराब थी । पापा की कपड़े की छोटी सी दुकान बंद हो गई थी और मां सिलाई करके घर चलाती थी। ऐसे में बेहतर भविष्य की तलाश में और नौकरी पाने के लिये हॉकी थामी थी। मैं और बड़ा भाई डेबोर्डिंग में रहते थे तो ढाई. तीन सौ रूपये मिलते थे जिससे मम्मी को सिलाई मशीन दिलाई थी। उत्तर प्रदेश पुलिस में उप अधीक्षक ललित को कैरियर के पहले ही कदम पर झटका लगा जब एक स्टिंग आपरेशन में अनजाने ही उनका नाम आया। एक टीवी चैनल के रिपोर्टर ने तत्कालीन भारतीय हॉकी महासंघ (आईएचएफ) सचिव के ज्योतिकुमारन के सामने एक खिलाड़ी को भारतीय टीम में जगह देने की एवज में प्रायोजन प्रस्ताव रखा और वह खिलाड़ी ललित था। उस घटना को अपने कैरियर की सबसे कड़वी याद बताते हुए ललित ने कहा, मैं 17 बरस का था और भारत के लिये खेलने का सपना लेकर आया था ।

ओलंपियन अनीश भानवाला ने रैपिड फायर पिस्टल ट्रायल जीता

खेल एजेंसी

__नई दिल्ली।__ पुरूषों के रैपिड फायर टी4 फाइनल में अनीश ने 30 स्कोर करके लगातार दूसरा फाइनल जीता। नर्मदा ने 24 शॉट के फाइनल में 253.7 अंक बनाकर विश्व कप फाइनल रजत पदक विजेता सोनम उत्तम मस्कर को 1.7 अंक से हराया। ओलंपियन अनीश भानवाला ने ग्रुप ए राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के तीसरे और चौथे राष्ट्रीय चयन ट्रायल में पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में लगातार दूसरा ट्रायल जीता जबकि तमिलनाडु की नर्मदा नितिन ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में बाजी मारी। नर्मदा ने 24 शॉट के फाइनल में 253.7 अंक बनाकर विश्व कप फाइनल रजत पदक विजेता सोनम उत्तम मस्कर को 1.7 अंक से हराया। दिल्ली की राजश्री अनिल कुमार ने तीसरा स्थान हासिल किया। क्वालिफिकेशन में नर्मदा छठे स्थान पर रही थी। विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेत मेहुली घोष क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर रही थी। पुरूषों के रैपिड फायर टी4 फाइनल में अनीश ने 30 स्कोर करके लगातार दूसरा फाइनल जीता। नौसेना के प्रदीप सिंह शेखावत दूसरे और हरियाणा के आदर्श सिंह तीसरे स्थान पर रहे।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर के समाज हित में किए गए कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने जौरासी में निर्मित अम्बेडकर धाम का किया अवलोकन

नवनीत एक्सप्रेस रिपोर्टर

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा समाज हित में जो कार्य किए गए हैं उनका हम स्मरण करते हैं। उनके द्वारा किए गए कार्यों को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर में बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर के नाम से स्मारक बनाने का पुनीत कार्य किया जा रहा है। इसके द्वितीय चरण के विकास कार्यों का भूमिपूजन शीघ्र होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को ग्वालियर के जौरासी में निर्माणाधीन डॉ. भीमराव अम्बेडकर धाम का अवलोकन करते हुए यह बात कही। डॉ. भीमराव अम्बेडकर धाम के अवलोकन के अवसर पर कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, विधायक श्री मोहन सिंह राठौर, पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी सहित जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी और नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर में निर्मित किए जा रहे बाबा अम्बेडकर धाम के द्वितीय चरण का निर्माण कार्य भी शीघ्र प्रारंभ किया जायेगा। मेरे साथ केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह सहित वरिष्ठजन भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा समाज में किए गए कार्यों को सदैव याद किया है। हमने मऊ में डॉ. अम्बेडकर के भव्य स्मारक का निर्माण कराया और हर साल अम्बेडकर की जयंती पर वहाँ कुंभ लगाने का कार्य भी किया जा रहा है। ग्वालियर के जौरासी में भी डॉ. अम्बेडकर धाम का भव्य निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जौरासी में निर्मित अम्बेडकर धाम में डिजिटल लाइब्रेरी, म्यूजियम, ऑडिटोरियम, कॉन्फ्रेंस हॉल आदि का निर्माण किया जा रहा है। धाम के द्वितीय चरण में अन्य आधुनिक सुविधाओं को भी जोड़ा जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अम्बेडकर धाम पहुँचकर बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उनके द्वारा किए गए समाज हित के कार्यों का स्मरण किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पृथ्वीपुर हेलीपेड आगमन पर हुआ आत्मीय स्वागत

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने किया आत्मीय स्वागत

पुष्पेंद्र कुशवाहा/निवाड़ी

निवाड़ी।।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर में आयोजित देवी अहिल्याबाई नारी शक्ति सम्मेलन कार्यक्रम में सम्मिलित होने पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पृथ्वीपुर हेलीपेड आगमन पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेट कर आत्मीय स्वागत किया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हेलीपेड पर बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह का हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया। इस अवसर पर म.प्र.शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री एवं निवाड़ी जिले के प्रभारी नारायण सिंह कुशवाह, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना, निवाड़ी विधायक अनिल जैन, पूर्व विधायक पृथ्वीपुर डॉ. शिशुपाल सिंह यादव, जिलाध्यक्ष राजेश पटेरिया, ओबीसी जिलाध्यक्ष प्रमोद कुशवाहा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों में आईजी सागर जोन डॉ. हिमानी खन्ना, कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़, एसपी डॉ. राय सिंह नरवरिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। तत्पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. यादव पृथ्वीपुर में शासकीय महाविद्यालय परिसर में आयोजित देवी अहिल्याबाई नारी शक्ति सम्मेलन कार्यक्रम में सम्मिलित होने पहुंचे।

पुलिस के डर से अपने भी बनाते थे दूरी

संविधान की हत्या के देखे व भुगते मैंने हालत: श्रीनिवास गोयल

हरियाणा/ हिसार(राजेश सलूजा)

हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा उकलाना के भीष्म पितामह संघ के स्वयं सेवक के रूप में भूमिका अदा कर चुके श्रीनिवास गोयल ने भी आपातकाल के दौरान संविधान की हत्या का मंजर देखा और भुगता क्योंकि उन पर भी उसे आपातकाल के दौरान पुलिस द्वारा यातनाएं एवं जुल्म किए गए। श्रीनिवास गोयल तब आदमपुर में कॉटन फैक्ट्री में परचेज़र होते थे। वहां संघ के अधिकारियों ने कस्तूरी लाल दनोदा वाले तथा श्रीनिवास गोयल की भी ड्यूटी जेल में गए हुए परिवारों की देखभाल की लगाई। संघ की आज्ञा का पालन करते हुए वह परिवारों की देखभाल करते। पुलिस से बच बचाकर अपने कार्य में लगे रहते। लेकिन एक दिन आया जब जगदीश मित्तल दर्पण पत्र को भगत राम की दुकान पर बांटने के लिए देकर गए। तो श्रीनिवास गोयल जब इन पत्रको बांट रहे थे तो पुलिस ने 3 दिसंबर 1975 को प्रातः 4ः00 बजे दर्पण पत्रक वितरण करते समय पत्रक समेत हिरासत में ले लिया और मारते पीटते हुए थाने में ले गए। वहां

थाना प्रभारी मेहता ने भी उनकी बहुत पिटाई की मुंह और कानों से खून आने लगा लेकिन पुलिस ने हालात को देखकर के चालान नहीं किया। और 4 महीने तक अवैध रूप से वहीं थाने में रखा और पुलिस उन पर जुर्म करती रही पुलिस उनसे प्रतिदिन मार पिटाई करती हुए संघ जिला प्रचारक जगदीश मित्तल और प्रेम जी गोयल के बारे में के बारे में पूछते रहते लेकिन यातना सहकर भी उन्होंने कभी उनके बारे में नहीं बताया। पुलिस ने दर्पण पत्र के साथ इसलिए उनको हिरासत में लिया क्योंकि वह संघ द्वारा प्रकाशित सरकार के काले कारनामो को छापने वाला पत्रक था। इस पत्रक से सरकार समझती थी कि सरकार की छवि धूमिल होती है और जो उसके काले कारनामें है उसकी जनता को जानकारी मिलती है कहीं आक्रोश होकर जनता सड़कों पर ना आ जाए आखिर अंत काल ऐसा हुआ और उसे काले अध्याय का समापन भी हुआ। परिवार के लोग भी पीड़ित रहे और क्षेत्र में चर्चाएं चली के श्रीनिवास गोयल के साथ गलत हुआ लेकिन इस आपातकाल के काले अध्याय में बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पाता था था जो बोलता पुलिस उसको थाने में बंद कर देती जिसका कोई रिकॉर्ड भी नहीं रख जाता था ऐसा ही श्रीनिवास गोयल के साथ भी हुआ। 4 महीने बाद तत्कालीन पुलिस अधीक्षक सतदेव सिंह के हस्ताक्षेप से उनको छोड़ गया हालांकि आज भी श्रीनिवास गोयल ने बताया कि जब उनको यह मंजर याद आता है तो आत्मा कांप उठती है और कहते हैं कि ऐसे हालात कभी ना हो आज भाजपा ने छोटे से छोटे और बड़े से बड़े का सम्मान हो रहा है गरीब आदमी की आवाज खुद मुख्यमंत्री तथा प्रधानमंत्री सुनकर कार्रवाई कर रहे हैं। श्रीनिवास गोयल ने चर्चा में बताया कि आज संविधान की हत्या करने वाले लोग आज संविधान की बातें करते हैं अगर उसे आपातकाल की स्थिति को देखें तो संविधान खत्म हो चुका था आम जन मे भय था सारा देश जेल खाना बन चुका था।

टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा बैठक में दिए सौ फीसदी नोटिफिकेशन के निर्देश

सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने ली टीबी मरीज के पोषण आहार की जवाबदारी

नवनीत एक्सप्रेस रिपोर्टर

भोपाल सघन टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा बैठक जिला क्षय केंद्र में आयोजित हुई। बैठक में सीएमएचओ भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने क्षय उन्मूलन जागरूकता अभियान, परीक्षण, संभावित टीबी मरीजों का स्पूटम कलेक्शन, निक्षय पोर्टल पर प्रिजम्प्टिव आईडी तैयार करना, डॉट्स की उपलब्धता, उपचार सहायता, निक्षय पोर्टल पर पंजीकरण की समीक्षा की। डॉ. शर्मा ने टीबी मरीज को फूड बास्केट देकर पोषण की जवाबदारी भी ली। बैठक में जिला क्षय अधिकारी डॉ. प्रांजल खरे, मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी, अनुविभागीय चिकित्सा अधिकारी, जिला एवं विकासखंड के प्रबंधकीय स्टाफ सहित टीबी सुपरवाइजर एवं मैदानी स्टाफ उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने निर्देश दिए कि टीबी नोटिफिकेशन 100 प्रतिशत किए जाएं। श्रमिक वर्ग और अन्य संवेदनशील वर्गो तक इस अभियान का अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और स्वास्थ्य केंद्रों के साथ साथ प्रमुख सार्वजनिक स्थानों जैसे रेलवे, बस स्टेशनों, कारखानों, उद्योगों, ईंट भट्टों, निर्माण स्थलों, क्रेशरों इत्यादि पर शिविर लगाए जाएं। साथ ही पंचायतों, शहरी स्थानीय निकायों, स्वसहायता समूहों, जन आरोग्य समिति, महिला आरोग्य समिति, ग्राम स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता समिति के साथ मिलकर जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन, नए निक्षय मित्रों और टीबी चैंपियंस/विजेताओं की पहचान किए जाने के निर्देश दिए गए। टीबी के उपचार के साथ-साथ मरीजों के पर्याप्त पोषण के लिए निक्षय मित्रों को भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी को धर्म चक्रवर्ती की उपाधि से अलंकृत करना सम्पूर्ण सनातन अनुयायियों के लिए गर्व का विषय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री का आचार्य विद्यानंद जी महाराज के शताब्दी समारोह में हुआ सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी का किया अभिनंदन

नगर संवाददाता

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने %धर्म चक्रवर्ती% की उपाधि से सम्मानित किए जाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का प्रदेशवासियों की ओर से आत्मीय अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की प्राचीन संस्कृति और परंपराओं ने सदैव ही विश्व को प्रकाशित किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी को %धर्म चक्रवर्ती% की उपाधि से अलंकृत करना सम्पूर्ण सनातन अनुयायियों के लिए गर्व का विषय है।

उल्लेखनीय है कि आचार्य विद्यानंद जी महाराज के शताब्दी समारोह में आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर जी महाराज ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को धर्म, नीति सेवा, आत्मबल और राष्ट्र के समग्र विकास के संकल्प को साकार करने के लिए यह उपाधि प्रदान की गई। समारोह में बताया गया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के 11 वर्ष के सफल कार्यकाल में उनके नेतृत्व में राष्ट्र प्रथम की भावना का जनचेतना में प्रभावी संचार करते हुए भारत की सीमाओं को सुरक्षित करने का कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अहिंसा, पर्यावरण और स्वदेशी चिंतन, सांस्कृतिक सोच, विश्व शांति और जन-कल्याण के प्रयासों से देश को विश्व में गौरवपूर्ण स्थान दिलवाया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस योगदान के लिए ही उन्हें %धर्म चक्रवर्ती% की उपाधि से विभूषित किया गया है।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने प्रदेश के सभी पेट्रोल पंपों की जांच के दिए निर्देश

रतलाम डीजल प्रकरण : दोषी पंप संचालक पर एफआईआर

नवनीत एक्सप्रेस रिपोर्टर

भोपाल । खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने प्रदेश के सभी पेट्रोल पंप की गहन जाँच कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने रतलाम में हुई घटना पर संज्ञान लेते हुए कहा है कि उपभोक्ताओं को हर हाल में गुणवत्तायुक्त पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। श्री राजपूत ने वरिष्ठ अधिकारियों को ऑयल कंपनियों के साथ बैठक कर जरूरी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।उल्लेखनीय है कि रतलाम में कई वाहनों में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के पेट्रोल पंप शक्ति फ्यूल पॉइंट डोसीगाँव से डीजल भरवाया गया था। डीजल में पानी होने से वाहन बंद होने की घटना प्रकाश में आई है। खाद्य विभाग जिला रतलाम के अधिकारियों द्वारा पंप की तत्काल ही जांच की गई। जाँच में पेट्रोल एवं डीजल के सेम्पल लिए जाकर बीपीसीएल लेब मांगलिया इंदौर भेजे गए हैं। इस प्रकरण में मोटर स्पिरिट और उच्च व्यय डीजल (प्रदाय तथा वितरण का विनियम और अनाचार निवारण) आदेश 2005 के प्रावधानों के तहत दोषी पंप संचालक के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 377 के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। पंप पर उपलब्ध पेट्रोल 5995 ली. एवं डीजल 10657 लीटर जप्त कर पम्प को सील किया गया है।अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने इस घटना के परिपेक्ष्य में 27 जून को ही इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड एवं हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों की गत दिवस बैठक ली। उन्होंने घटना के संबंध में तत्काल विस्तृत जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश बीपीसीएल को दिए।

फर्जी मामले में न्यायालय ने तीन पत्रकारों को किया बरी, वन विभाग के अधिकारियों में हड़कंप

विशेष संवाददाता

मध्य प्रदेश के राजधानी भोपाल से सटे जिले सीहोर में वन परिक्षेत्र लाड कुई एवं इछावर इछावर में अवैध वनों की कटाई और अवैध अतिक्रमण करने के मामले की खबरें क्षेत्रीय पत्रकारों ने अपने समाचार पत्रों के माध्यम से और चैनलों के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाई थी इसके साथ ही इन पत्रकारों ने इस अवैध वनों की कटाई और अवैध दर्पण करने के मामले में वन विभाग के वन परीक्षित अधिकारी से लेकर निकले अधिकारियों की शिकायत सीसीएफ से लेकर डी जीएफ से की थी इस मामले में भोपाल से एक जांच टीम आई थी झांसी टीम इन शिकायतकर्ता पत्रकारों को साथ लेकर पूरे मामले की जांच करने गई थी शिकायत सही पाई जा रही थी इससे अधिकारी और कर्मचारी घबरा गए तो उन्होंने समझौता करने और अधिकारियों ने इन तीनों पत्रकारों को खरीदने का प्रयास किया और उनसे कहा कि आप हमसे जितना पैसा चाहिए वह ले लो लेकिन मामला यहीं खत्म कर दो और दो लाइन लिखकर दे दो कि हम जांच नहीं चाहते पत्रकारों ने जब अधिकारियों की बात नहीं मानी तो अधिकारियों ने संबंधित थाने में जाकर तीनों पत्रकारों के खिलाफ शासकीय काम में बाधा डालने और अदीबाजी करने का फर्जी मामला दर्ज कर दिया यह मामला 10 साल पहले नसरुल्लागंज की अदालत में पहुंचा जहां न्यायाधीश उषा तिवारी ने लंबी विवेचना और बहस के बाद तीनों पत्रकारों को इन आरोपों से भारी कर दिया था इसके बाद संबंधित वन अधिकारी इस मामले को लेकर अपर सत्र न्यायाधीश नसरुल्लागंज की अदालत में चले गए जहां यह मामला चलता रहा और इसके बाद लगभग 10 साल बाद सत्र अपर न्यायाधीश सुनीता गोयल ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद इस मामले को खारिज करते हुए तीनों पत्रकारों सीहोर के वरिष्ठ पत्रकार चंद्र7र बागवान नितिन मालपानी और लखन मालवीय को आरोप मुक्त करते हुए वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के याचिका को खारिज कर दिया पत्रकारों की तरफ से न्यायालय में फिर भी दुर्गा प्रसाद तिवारी एडवोकेट ने की वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की याचिका खारिज होने के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए एडवोकेट तिवारी ने बताया है कि ईमानदार पत्रकारों को प्रताड़ित करने और उन्हें परेशान करने के लिए मानसिक रूप से विनय प्रताड़ना पहचाने और मॉडिफाई इंटेंशन से थाने में झूठी एफआईआर दर्ज कराई थी जिससे ईमानदार पत्रकार अधिकारियों और कर्मचारियों के भ्रष्टाचार उनकी मनमानी और अवैध कटाई से लेकर अवैध अतिक्रमण करने की खबरें समाचार पत्रों और चैनलों में न प्रकाशित करें और ना दिखाएं वहीं दूसरी तरफ सीहोर जिले के वरिष्ठ पत्रकार चंद्र7र बागवान नए मीडिया से चर्चा करते हुए कहा है कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं हो सकता हमें न्यायालय पर भरोसा था क्योंकि हमने सच्चाई से काम किया था और वन विभाग के वन पर क्षेत्र अधिकारी लालकुई और इछावर क्षेत्र में रेंजर डिप्टी रेंजर से लेकर नीचे के कर्मचारियों ने मिलकर सागवान जैसी कीमती लकड़ी की अवैध कटाई कार्रवाई उसे बेचा और वनों को कटवा कर उन पर अवैध कब्जा कराया उससे भी पैसे कमाए जब हमने यह खबरें समाचार पत्र और चैनल के माध्यम से जनता तक और सरकार तक पहुंचाई सरकार ने जो उसमें जांच करने का फैसला लिया जांच टीम भी आई तो अपनी नौकरी को खतरे में प्रकार इन अधिकारियों और कर्मचारियों ने हमें खरीदने का प्रयास किया जब हम नहीं बाइक तो उन्होंने हमारे खिलाफ फर्जी झूठा मामला दर्ज कर दिया 10 साल बाद आज हम इस मामले से वाजिद भारी हो गए हैं अदालत ने हमें दोष मुक्त कर दिया है इस फैसले से अभी ईमानदार पत्रकारों को और अधिक जज्बे से काम करने का मौका मिलेगा वहीं भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को नसीहत मिलेगी और वह इस तरह के अब झूठे मामले दोबारा दर्ज करने का साहस नहीं करेंगे

करीबन 56 लाख मूल्य के अवैध मादक पदार्थ और वाहन जप्त, 49 आरोपियों पर दर्ज किये एनडीपीएस एक्ट के 30 प्रकरण

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलये गये 15 दिवसीय विशेष अभियान के तहत गुना पुलिस की ताबड़तोड़ कार्यवाहियां

नवनीत एक्सप्रेस रिपोर्टर

पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार दिनांक 12 जून से 26 जून 2025 तक पूरे प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया । इस अभियान के तहत गुना जिले में पुलिस अधीक्षक श्री अंकित सोनी के कुशल निर्देशन में गुना पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी, क्रय-विक्रय और उपभोग में लिप्त माफियाओं, तस्करों, कारोबारियों आदि पर ताबड़तोड़ कार्यवाहियां करते हुए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गई है । इस विशेष अभियान के तहत जिले के अलग-अलग थानों में पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए एनडीपीएस एक्ट के कुल 30 प्रकरण दर्ज किए गए जिनमें 49 आरोपियों से 36,03,000/-रूपये के अवैध मादक पदार्थ एवं अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में प्रयुक्त 19,60,000/-रूपये मूल्.य की 10 मोटर साइकिलें व 01 कार जप्त की गई है । इस प्रकार अभियान के तहत गुना पुलिस द्वारा कुल 55 लाख 63 हजार 400 रुपए का मसरूका अवैध मादक पदार्थों के क्रय विक्रय तस्करी आदि में संलिप्त आरोपियों से जप्त किया गया है । जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध की गई कार्यवाहियों में स्मैक के कुल 08 प्रकरणों में 15

आरोपियों से 198.76 ग्राम स्मैक कीमती 19,36,400/-रुपए और स्मैक तस्करी में प्रयुक्त पांच मोटर साइकिलें कीमती 5,20,000/-रुपए सहित कुल 24,56,400/-रुपए का मशरूका तथा गांजा के कुल 15 प्रकरणों में 26 आरोपियों से 50.380 ग्राम गांजा कीमती 16,07,000/-रुपए और गांजा तस्करी में प्रयुक्त 05 मोटर साइकिलें व 01 कार कीमती 14,40,000/-रुपए सहित कुल 30,47,000/-रुपए का मशरूका एवं डोडाचूरा के 01 प्रकरण में 12.290 किलोग्राम डोडाचूरा कीमती 60,000/-रूपये का बरामद किया गया है । इसके अतिरिक्त स्मैक व गांजे का उपभोग करते हुए 06 नशेड़ी गिरफ्तार कर जिन्हें नशा सामग्री उपलब्ध कराने वाले सहित कुल 07 आरोपियों के विरुद्ध 06 प्रकरण दर्ज किए गए हैं । इस प्रकार अभियान के तहत गुना पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्.ट के कुल 30 प्रकरणों में 49 आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही कर कुल 36,03,400/-रूपये के अवैध मादक पदार्थ एवं 19,60,000/-रूपये के वाहन सहित कुल 55,63,400/-रूपये का माल-मशरूका बरामद किया गया है । पुलिस अधीक्षक श्री अंकित सोनी ने बताया कि ÷यह विशेष अभियान गुना जिले को नशा मुक्त बनाने की दिशा में एक सशक्त प्रयास है । नशा समाज को खोखला करता है और इसके विरुद्ध कार्यवाही गुना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है ।÷ उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की नशीली गतिविधि की जानकारी प्राप्त होती है, तो उसे तत्काल पुलिस को सूचित कर नशा मुक्.त जिला बनाने के इस अभियान में सहभागी बनें । गुना पुलिस का यह अभियान 'नशा मुक्त समाज - सुरक्षित भविष्य' की दिशा में एक मजबूत कदम है, और आगे भी इसी प्रकार की सतत व कठोर कार्यवाहियां निरंतर जारी रहेंगी ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का देवी अहिल्याबाई नारी शक्ति सम्मेलन निवाड़ी में उद्बोधन

अछरू माता लोक के विकास हेतु ?5 करोड़ रुपए दिए जाएंगे

सिमरा-पृथ्वीपुर मार्ग 25 करोड़ रुपए की लागत से डबल लेन में बदला जाएगा

नवनीत एक्सप्रेस रिपोर्टर

अदरक, हल्दी व मसाला उत्पादों के लिए फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित होंगी मछुआ समुदाय के लिए नई योजनाओं की घोषणा, बड़ा मछली बाज़ार बनाया जाएगा लाडली बहना योजना की राशि दीपावली से ?1500 प्रतिमाह और वर्ष 2028 तक ?3000 प्रतिमाह की जाएगी बहनों को रक्षाबंधन पर अतिरिक्त 250 रुपए दिए जाएंगे कामकाजी बहनों को 5000रुपए प्रति माह प्रोत्साहन राशि दी जाएगी प्रदेश के युवाओं को स्थानीय रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विशेष औद्योगिक पहल की जा रही है मध्यप्रदेश में मौजूद प्रत्येक कृष्ण-लीला स्थल को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा बुंदेलखंड में %केन-बेतवा लिंक योजना% को गति देकर हर खेत तक पानी, हर हाथ को काम उपलब्ध कराया जाएगा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यशोदा मैया के त्याग और प्रेम को बताया भारत की अद्वितीय , अद्भुत और अप्रतिम संस्कृति का प्रतीक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन की शुरुआत यशोदा मैया के त्याग और वात्सल्य से की। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण को उनके जन्म के बाद जिन परिस्थितियों में गोकुल पहुंचाया गया, वह त्याग और समर्पण केवल यशोदा मैया जैसी भारतीय नारी ही कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि मां-बेटे के प्रेम का सर्वोच्च उदाहरण मैया यशोदा और भगवान श्रीकृष्ण है, जो भारत की सांस्कृतिक पहचान है।

स्वत्वाधिकार, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक महेन्द्र तिवारी द्वारा तिवारी आर्ट्स हाउस नं. 59, जी-सैक्टर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, अयोध्या नगर भोपाल से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रबंधक संपादक धैर्यवर्धन शर्मा
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।, मो. 9074692488, 9340719851. Email - navneet.expresss33@.com पीआर.बी. एक्ट के तहत खबरों के लिये जिम्मेदार- RNI-MPHIN/2016/71355